

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली मेट्रो में चिपके मिले सरकार विरोधी पोस्टर

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन की एक ट्रेन के अंदर सरकार के कामकाज पर सवाल उठाने वाले दो पोस्टर चिपके मिले, जिसके बाद अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर 'दिल्ली प्रिवेंशन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट, 2007' और 'मेट्रो रेलवे (ऑपरेशंस एंड मंटेनेंस) एक्ट, 2002' की धाराओं के तहत दर्ज की गई है। इन ब्लैक-एंड-व्हाइट पोस्टरों में कई मुद्दे उठाए गए थे और पिछले कुछ वर्षों में देश में आए बदलावों के बारे में थे। इनमें एक क्यूआर कोड भी था, जिसके जरिए लोगों को एक ऑनलाइन रूफ से जुड़ने के लिए कहा गया था। पुलिस ने इन पोस्टरों को जब्त कर लिया है और मामले की जांच में स्पेशल सेल भी शामिल है। बीते दिनों सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली मेट्रो के कई स्टेशनों को बंद किया गया था। सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई करने वाली पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन को देखते 14 अक्टूबर को दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने 45 मेट्रो स्टेशनों पर रंटी और एंजिट बंद कर दी थी।

शादी की जिद को लेकर हाईवोल्टेज ड्रामा, 100 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ी प्रेमिका

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक अनोखा मामला सामने आया है। प्रेमी से शादी करने की जिद पर अड़ी एक युवती करीब 100 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। युवती के परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे, जबकि उसका प्रेमी काम के सिलसिले में मुंबई में रह रहा था। युवती ने जब नीचे उतरने से इनकार कर दिया तो पुलिस ने दोनों परिवारों के बीच बातचीत कराई। आखिरकार काजी को बुलाकर मुंबई में मौजूद प्रेमी के साथ युवती का ऑनलाइन निकाह कराया गया। इसके बाद युवती टावर से नीचे उतर आई। मामला मोतीपुर थाना क्षेत्र के चौधरी गांव का है, जहां 23 अक्टूबर को इस घटना के बाद काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। बस्थनवा गांव की रहने वाली युवती का अपने ही गांव के नूरुद्दीन के साथ लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन परिवारों की असहमति उनके रिस्ते में बाधा बनी हुई थी।

जामिया मिलिया की दीवारों पर लिखे आजाद कश्मीर के नारों की निंदा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन (जेकेएसए) ने जामिया मिलिया इस्लामिया की दीवारों पर आजाद कश्मीर लिखे नारों की कड़ी निंदा की। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब छात्र, स्टूडेंट्स यूनियन को बहाल करने और कैपस चुनाव कराने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। एसोसिएशन ने इस घटना की गहन और निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही, जामिया प्रशासन और दिल्ली पुलिस से अपील की है कि वे इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करें और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करें।

पीएम मोदी ने त्योहारों पर स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील की

भारतीय उत्पादों को मिल रहे हैं वैश्विक बाजार-पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 139वें एपिसोड में देशवासियों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और स्थानीय कारीगरों के बनाए सामान खरीदने की अपील की. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आकाशवाणी से 'मन की बात' कार्यक्रम में देश-विदेश के लोगों से अपने विचार साझा किए, उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान खरीदारी करते समय स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए. पीएम मोदी ने इस कार्यक्रम में कहा कि आज से 12 वर्ष पहले इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी. उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी ये यात्रा निरंतर जारी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि देश में 'वोकल फॉर लोकल' की भावना मजबूत हो रही है और भारतीय उत्पादों की वैश्विक बाजारों में नयी पहचान मिल रही है. 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, महाराष्ट्र के आदिवासी समुदायों ने अपने उत्पादों की पैकेजिंग पर बहुत ध्यान दिया है. यहां 'शबरी नेचुरल्स' के जरिए शहद, महुआ, चीड़ और बांस से बने उत्पादों को बाजार में लाया जा रहा है। इनकी पैकेजिंग पर आदिवासी कला की छाप देखने को मिलती है. मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में त्योहारों के दौरान लोगों से स्थानीय कारीगरों के बनाए प्रोडक्ट को प्राथमिकता देने की अपील करते हुए कहा कि इससे उनकी मेहनत को प्रोत्साहन मिलेगा और आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने में मदद मिलेगी. पीएम मोदी ने वोकल पर लोकल का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार का मखाना और कर्नाटक की अरहर दाल को दुनिया भर में नए बाजार मिल रहे हैं. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार के पूर्णिया का मखाना ग्रीस पहुंच रहा है, जबकि कर्नाटक के कलबुर्गी की अरहर दाल मालदीव जा रही है. पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले दिनों में दिवाली, छठ महापर्व और



प्राकृतिक जल स्रोत को बहाल करने पर जोर

'मन की बात' के 139वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल क्षेत्र में लोगों ने मिलकर 'हेवल' नदी में नई जान फूँकने की कोशिश की है। कुछ समय पहले, हेवल नदी का जलस्तर घटने लगा था और आस-पास के प्राकृतिक जल स्रोत भी सूख रहे थे। इसके जवाब में स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों ने मिलकर नदी को बचाने के लिए एक अभियान शुरू किया। इस पहल के तहत, बारिश के पानी को संचित करने, भूजल स्तर को फिर से बढ़ाने (ग्राउंडवाटर रिचार्ज) और बड़ी संख्या में पेड़ लगाने के उपाय किए गए।

12 साल पहले मन की बात कार्यक्रम की शुरुआत

'मन की बात' के 139वें एपिसोड को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 12 साल पहले विजयादशमे के पावन अवसर पर हमने 'मन की बात' की शुरुआत की थी। तब से, हमारा यह सफर बिना रुके लगातार जारी है। इस सफर में आप सभी मेरे सहयात्री भी रहे हैं और मार्गदर्शक भी। मेरे लिए, 'मन की बात' हमारे देश के आम लोगों की कड़ी मेहनत, साहस, संकल्प, समर्पण और सेवा-भाव का जश्न मनाने का एक शानदार अवसर रहा है। हमारे देश में सदियों से तीर्थयात्रा की परंपरा रही है। मेरे लिए, 'मन की बात' किसी तीर्थयात्रा से कम नहीं है—यह एक ऐसी यात्रा है।

उन्होंने कहा, कुछ ही दिनों बाद 31 अक्तूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती है। इस दिन को देश 'एकता दिवस' के तौर पर मनाता है. मोदी ने खादी की बढ़ती लोकप्रियता का जिक्र करते हुए कहा कि इस वर्ष गांधी जयंती के अवसर पर एक ही दिन में खादी ग्रामोद्योग के उत्पादों की बिक्री 28 करोड़ रुपये से अधिक रही.

ऑपरेशन सिंदूर में भारत का महाप्रहार!

कोई भी टारगेट आईएएफ पहुंच से बाहर नहीं-चीफ मार्शल सिंह

नई दिल्ली/ एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के खिलाफ सटीक हमले कर अपनी सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन किया था। अग्रे रविवार (25 अक्टूबर) को एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने पाकिस्तान की स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि पश्चिमी मोर्चे पर 1,200 किलोमीटर की चौड़ाई और 200 किलोमीटर की गहराई तक किए गए सटीक हमलों ने यह साबित कर दिया कि भारतीय वायुसेना की पहुंच से कोई भी लक्ष्य बाहर नहीं है। एयर चीफ



मार्शल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने देश की सुरक्षा में वायु शक्ति की अहमियत को एक बार फिर स्थापित किया है। उन्होंने इसे भारत की जवाबी कार्रवाई की क्षमता और दुश्मन को रणनीतिक रूप से रोकने की ताकत का महत्वपूर्ण उदाहरण बताया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चार दिनों तक चले इस सैन्य अभियान की निगरानी करने वाले एयर चीफ मार्शल ने स्वदेशी हथियार प्रणालियों के प्रदर्शन का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि देश में विकसित कई हथियारों ने अभियान के दौरान प्रभावी प्रदर्शन किया और दुश्मन को जवाब देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिंह के अनुसार, क्षमता-केंद्रित सैन्य बल की खासियत यह है कि वह किसी एक प्रणाली पर निर्भर रहने के बजाय कई विकल्पों का इस्तेमाल कर सकता है।

स्मृति ईरानी के छत्तीसगढ़ दौरे से पहले बीजेपी नेताओं को सख्त हिदायत

पर्सनल ब्रांडिंग नहीं- सरकारी योजनाओं का करें प्रचार-स्मृति ईरानी

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ भाजपा की प्रभारी स्मृति ईरानी के आगामी रायपुर दौरे से पहले पार्टी नेताओं के लिए कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और संगठन के पदाधिकारियों को स्पष्ट हिदायत दी है कि वे सोशल मीडिया पर अपने व्यक्तिगत प्रचार के बजाय केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करें। सूत्रों के अनुसार, पार्टी की आइटी सेल सभी वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों की सोशल मीडिया प्रशिक्षण और दिल्ली पुलिस से अपील की है कि वे इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करें और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करें।

विधानसभा और लोकसभा चुनावों यानी 'मिशन 2028-29' की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। इसी क्रम में नवनिर्वाचित प्रदेश भाजपा प्रभारी स्मृति ईरानी 25 और 26 अक्टूबर को अपने दो दिवसीय दौरे पर रायपुर आ रही हैं। प्रदेश प्रभारी बनने के बाद यह उनका पहला छत्तीसगढ़ दौरा होगा, जिसके राजनीतिक मायने बेहद खास माने जा रहे हैं। पहली ही बैठक में वह मिशन विधानसभा-लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति बना सकती हैं। स्मृति ईरानी ने रायपुर आने से पूर्व ही संगठन पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक में यह संदेश साफकर दिया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत ब्रांडिंग की जगह सरकारी योजनाओं और पार्टी की नीतियों का सोशल मीडिया पर व्यापक प्रचार सुनिश्चित करना है। दौरे के दौरान स्मृति ईरानी पूर्व सांसदों और



विधायकों से वन-टू-वन चर्चा कर उनके कामकाज का रिपोर्ट कार्ड लेंगी। संगठनात्मक सूत्रों के मुताबिक, इस समीक्षा के बाद प्रदेश के 60 से अधिक पूर्व सांसदों व विधायकों को आगामी रणनीतियों के तहत नई जिम्मेदारियां

कार्यकर्ताओं से सीधा फीडबैक ले रहे हैं। इस हाई-प्रोफाइल दौरे को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। विपक्षी दल कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाते हुए महंगाई जैसे मुद्दों पर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की चुप्पी पर निशाना साधा है। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पिछले महीने छत्तीसगढ़ और हरियाणा का प्रभार मिलने के बाद यह दौरा राज्य में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को धार देने और बूथ स्तर तक कसावट लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। राष्ट्रीय स्तर पर हुए सांगठनिक फेरबदल के तहत भाजपा अपने सिंघासी समीकरणों को मजबूत करने में जुटी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जो नेत्री स्वयं चुकी हुई हों, वे क्या रणनीति बनाएंगी।

मंत्रियों को कार के साथ नहीं मिली एंट्री

स्मृति ईरानी प्रदेश कार्यलय में सता और संगठन की अलग-अलग बैठकें कर रही हैं। मंत्रियों और सीनियर नेताओं की बैठक के दौरान किसी भी मंत्री को कार से साथ प्रदेश कार्यलय में जाने की एंट्री नहीं दी गई। भाजपा कार्यलय के मुख्य गेट पर मंत्री सुश्रवांत राठौड़ के कार्र्षे को गार्ड ने रोक दिया। कार से उतर जाने की अनुमति नहीं मिलने पर मंत्री गाड़ी से उतरे और पैदल प्रवेश कार्यलय पहुंचे। इसके अलावा पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडेय, सीनियर नेता धरमलाल कोशिक समेत सभी मंत्रियों के कार्र्षे को गेट के बाहर ही रोक दिया गया। प्रदेश कार्यलय में मीटिंग के दौरान सभी सीनियर नेताओं और मंत्रियों के फोन भी बाहर रखा दिए गए थे। मीटिंग में केवल उन कार्यक्ताओं को ही एंट्री मिली जिनका लिस्ट में नाम था। पार्टी के कई ऐसे पदाधिकारियों को बाहर लौटना पड़ा जिनका नाम मीटिंग शेड्यूल में नहीं था।

विपक्ष की 1 नवंबर की रामलीला मैदान रैली के विरोध

विरोध में सिख समुदाय उतरा,कहा हमारे दुखों को कुरेदने जैसा होगा

नई दिल्ली/ एजेंसी

वोट चोरी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैलीकरने का ऐलान किया है। इसके लिए कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष जुटा हुआ है। खुद राहुल गांधी सोशल मीडिया पर ट्वीट कर पूरे देश से लोगों के जुटने का आह्वान कर रहे हैं। हालांकि रैली को लेकर राहुल गांधी के लिए 'मुसीबत' बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। विपक्ष की 1 नवंबर की रामलीला मैदान रैली के विरोध में सिख समुदाय उतर गया है। 1 नवंबर 1984 को दिल्ली में हुए सिखों के नरसंहार का



हवाला देते हुए सिख समुदाय और दंगों से पीड़ित परिवार ने विपक्ष की 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली रैली का विरोध करने का ऐलान किया है। 1984 में हुए दंगों से पीड़ित परिवारों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर रैली की अनुमति नहीं देने की मांग करने की बात कही

है। उनका कहना है कि यदि रैली आयोजित की गई, तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे और इसे रोकने की कोशिश करेंगे। विपक्ष के रैली के विरोध में सिख समुदाय ने कहा कि 1 नवंबर का दिन 1984 में हुए सिख दंगों का ही दिन है। इसी दिन कोई बड़ी रैली करना उनके दुखों को कुरेदने जैसा होगा। लिहाजा सिख समुदाय ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में होने वाली इस रैली का विरोध करने का ऐलान किया है। दंगा पीड़ितों ने कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार पर 1984 की हिंसा को लेकर गंभीर भी आरोप लगाए। पीड़ितों ने कहा कि 42 वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रभावित परिवार उस दर्द को नहीं भूल पाए हैं।

रायपुर प्रेस क्लब में फायरिंग

पुलिस ने आरोपी पलाश को किया गिरफ्तार.....

रायपुर। राजधानी रायपुर के प्रेस क्लब परिसर में देर रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब सदस्यता न मिलने से नाराज एक युवक ने दानाद गोशियां चला दीं। गोलीबारी की इस सनसनीखेज वारदात से परिसर में अफ़ा-तफ़्फ़ी का माहौल निर्मित हो गया। सूचना मिलते ही हरकत में आई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक पलाश तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी पलाश तिवारी प्रेस क्लब की सदस्यता हासिल करना चाहता था। लंबे समय से सदस्यता

न मिलने के कारण वह खासा नाराज चल रहा था। देर रात वह प्रेस क्लब पहुंचा और इसी बात को लेकर विवाद करने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फ़ायरिंग करने से ठीक पहले आरोपी ने प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष और कार्यालय सचिव पर पिस्टल तान दी और जान से मारने की धमकी दी। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने अपनी जेब से पिस्टल निकालकर दानाद गोशियां दाग दीं। अचानक हुई फ़ायरिंग की आवाज से आसपास मौजूद लोग सहम गए और मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

एक युवक ने कहा कि पीएम मोदी कहीं नहीं जाएंगे, जिस पर खड़गे ने जवाब दिया मोदी का बाप भी अब जाएगा..

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पटना पहुंचे थे। उनके बिहार दौरे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं में उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में उस समय हंगामा हो गया, जब उनके संबोधन के बीच एक युवक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की जा रही टिप्पणी पर रोकटोक शुरू कर दी। पूरा मामला बिहार के पटना में डॉ. श्री कृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम का हैं। जहां कांग्रेस के राष्ट्रीय



अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संबोधन के दौरान हंगामा हो गया। वहां मौजूद एक युवक ने कहा कि पीएम मोदी कहीं नहीं जाएंगे, जिस पर खड़गे ने जवाब दिया, मोदी का बाप भी जाएगा। पटना के बापू सभागार में

आयोजित कार्यक्रम में खरगे भाषण दे रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद एक युवक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जाएंगे। इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए खरगे ने कहा, मोदी का बाप भी जाएगा। उनके इस बयान के बाद कार्यक्रम स्थल पर हंगामा शुरू हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने व्यवधान डालने वाले व्यक्ति को पकड़ लिया। हालांकि, घटना के पूरे संदर्भ और वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि के लिए मूल फुटेज देखना जरूरी है।

मजबूती के कायल हैं लोग अंग्रेजों के दौर की इंजीनियरिंग का नमूना

नवागढ़ के नादघाट में 116 साल पुराना पुल आज भी भार झेलने में सक्षम



● चूना-सुखी और तराशे पत्थरों से बनी मजबूती आज भी बरकरार

बेमेतरा। तस्वीर में दिख रहा यह पुल कोई आधुनिक कंक्रीट का स्ट्रक्चर नहीं, बल्कि लगभग 116 साल पुराना पत्थर का पुल है। शिवनाथ नदी पर बना यह पुल आज भी अपनी मजबूती और बनावट के कारण चर्चा का विषय बना

हुआ है।

जब आज के बने बड़े-बड़े पुल 10 से 15 साल में ही दरारें छोड़ देते हैं, तब यह सवा सौ साल पुराना पुल आज भी मजबूती के साथ खड़ा है और उस पर से भारी वाहन आसानी से गुजर रहे हैं। स्थानीय नागरिक लेख राम वर्मा ने बताया कि उनके दादा इस निर्माण के साक्षी थे। वे 15 पैसे प्रतिदिन की मजदूरी में इस पुल में बतौर श्रमिक कार्य किए थे। वर्मा के अनुसार इस पुल का निर्माण ब्रिटिश काल में हुआ था। इसमें लोहे और सीमेंट का

उपयोग न के बराबर है। वर्मा ने बताया कि इसके बाद एनएच ने एक नया पुल बनाया था जो कुछ ही साल में अनुपयोगी हो गया। आज भी वह पुल खड़ा है, जिसमें शराबियों की महफिल सजती है। बाद में दो अन्य पुलों के निर्माण के समय इस पुराने पुल के ऊपरी हिस्से की मरम्मत की गई थी। आज भी नदी में पानी होने के बावजूद पुल के ऊपर बड़ा हाइवा टुक और यात्रियों से भरी ट्रैक्टर-ट्राली आसानी से गुजर रही है, जो इसकी उपयोगिता को प्रमाणित कर रही है।

आर्च पद्धति का कमाल

पुल में अर्ध-गोलाकार आर्च (मेहराब) बनाए गए हैं। इससे पानी का बहाव तेज होने पर भी दबाव बंट जाता है और पुल को नुकसान नहीं पहुंचता। नदी के दोनों किनारों से लाए गए बलुआ पत्थरों को हाथ से तराश कर एक के ऊपर एक जमाया गया है। जोड़ने के लिए उस दौर के चूना, सुखी, गुड़ और उड़द की दाल के मिश्रण का उपयोग हुआ है, जो आज के सीमेंट से भी ज्यादा मजबूत साबित हो रहा है। बिना किसी आधुनिक मशीन के नदी के भीतर गहरी नींव देकर इसे खड़ा किया गया था। यही कारण है कि सवा सौ साल बाद भी यह पुल ज्यों का

त्यों खड़ा है।

विरासत है यह पुल

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पुल सिर्फ आवगमन का साधन नहीं, बल्कि विरासत है। प्रशासन को इसकी ऐतिहासिक धरोहर के रूप में सुरक्षा और संरक्षण करना चाहिए, साथ ही नए पुल के साथ-साथ इस पुराने पुल की मजबूती का अध्ययन कर नई पीढ़ी के इंजीनियरों को इसकी तकनीक से अवगत कराना चाहिए। लेख राम वर्मा ने कहा कि नादघाट में नदी तट विकास की असीम संभावनाएं हैं, जो रायपुर-बिलासपुर मार्ग में यात्रा करने वाले लोगों को एक पड़ाव दे सकती हैं।

मृत्यु के बाद भी दूसरों के जीवन में उजाला लाने की मिसाल बने 23 वर्षीय यश गुप्ता

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में दूसरा नेत्रदान



मोहला-मानपुर-अंबागढ़। जीवन की अंतिम यात्रा के बाद भी किसी के लिए नई रोशनी की उम्मीद बन जाना मानवता की अनमोल मिसाल है। छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम विजयपुर निवासी 23 वर्षीय स्वर्गीय यश गुप्ता के परिजनों ने इसी भावना को साकार किया है। युवा अवस्था में यश के असामयिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, लेकिन इस कठिन घड़ी में भी परिजनों ने नेत्रदान का निर्णय लेकर मानव सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। जिले में यह दूसरा नेत्रदान है, जो समाज में अंगदान और नेत्रदान के प्रति बढ़ती जागरूकता का सकारात्मक संदेश

देता है। ग्राम विजयपुर निवासी स्वर्गीय यश गुप्ता, पिता स्वर्गीय अरविन्द गुप्ता के निधन के बाद उनके परिजनों ने 22 अक्टूबर को नेत्रदान की सहमति दी। परिजनों का यह संवेदनशील निर्णय उन जरूरतमंद लोगों के लिए आशा की किरण बनकर सामने आया है, जो दृष्टिबाधिता के कारण जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। नेत्रदान से प्राप्त कॉर्निया के प्रत्यारोपण द्वारा पात्र जरूरतमंद व्यक्तियों को दृष्टि प्राप्त करने में सहायता मिल सकती है। नेत्रदान की प्रक्रिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोटाटोला एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहला के स्वास्थ्य अमले के सहयोग से संपन्न हुई।

कलेक्टर कुन्दन कुमार की पहल से जिले के सभी सातों विकासखंडों में आयोजित हुआ जनदर्शन

● चारामा, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़, दुर्गुकोंदल और कोयलीबेड़ा में सुनी गई आम नागरिकों की समस्याएं

कांकेर। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और प्रशासन को जनसामान्य के और करीब लाने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार की पहल पर आज जिले के सभी सातों विकासखंडों में जनदर्शन का आयोजन किया गया। इसके तहत कांकेर, चारामा, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़,



दुर्गुकोंदल और कोयलीबेड़ा में आम नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी गईं। जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याओं और मांगों को प्रशासन के समक्ष रखने के लिए स्थानीय स्तर पर ही मंच उपलब्ध

विकासखंड मुख्यालयों में आयोजित जनदर्शन में संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में नागरिकों से आवेदन प्राप्त किए गए। अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण कर पात्रानुसार त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने तथा लिखित प्रकरणों पर समय-सीमा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर कुन्दन कुमार को इस पहल का उद्देश्य प्रशासनिक सेवाओं को आम नागरिकों के और करीब पहुंचाना, शिकायतों के निराकरण में तेजी लाना तथा शासकीय योजनाओं को लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। स्थानीय स्तर पर जनदर्शन आयोजित होने से नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सुगम और सुलभ मंच उपलब्ध हो रहा है।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन, पीएम सूर्यघर योजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा

● 2 नवंबर को जिले में मनाया जाएगा राज्योत्सव, विभागीय योजनाओं की प्रदर्शनी एवं हितग्राहियों को किया जाएगा लाभान्वित

कांकेर। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला स्तरीय अधिकारियों की समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रिया-व्ययन, निर्माण कार्यों की प्रगति तथा लिखित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने, योजनाओं का प्रभावी क्रियाव्ययन सुनिश्चित करने तथा लिखित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए।



राज्योत्सव की तैयारियों की समीक्षा

कलेक्टर ने जिले में 2 नवंबर को आयोजित होने वाले राज्योत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को विभागीय स्टाँल के माध्यम से शासकीय योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने तथा योजनाओं की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। राज्योत्सव में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं

से लाभान्वित भी किया जाएगा। इस वर्ष राज्य शासन की थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' के अनुरूप गतिविधियों को प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सोलर फ्लूटॉप सिस्टम का इंस्टॉलेशन शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लिखित प्रकरणों में अनावश्यक विलंब न हो तथा हितग्राहियों को योजना का लाभ समय पर मिले। साथ ही योजना का

व्यापक प्रचार-प्रसार कर सोलर फ्लूटॉप लगवाने के इच्छुक पात्र उपभोक्ताओं का नवीन पंजीयन कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवसों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने हितग्राहियों से समन्वय स्थापित कर निर्माण के विभिन्न चरणों में लिखित आवसों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा प्रगति की नियमित समीक्षा करने को कहा। कलेक्टर ने डिजिटल क्राॅप सर्वे की प्रगति की भी समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारी को सर्वे कार्य को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने तथा सर्वे के दौरान दर्ज की जाने वाली जानकारी को शुद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शराब सेवन कर स्कूल आने और शिक्षकों से अभद्र व्यवहार की शिकायत पर भृत्य निलंबित

कांकेर। भानुप्रतापपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बांसकुण्ड के सरपंच एवं ग्रामवासियों द्वारा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बांसकुण्ड में पदस्थ भृत्य श्री अभिषेक भारतदाज के विरुद्ध की गई शिकायत की जांच के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतदाज के विरुद्ध शाला में नियमित रूप से उपस्थित नहीं रहने, विद्यालय के अन्य शिक्षकों के साथ

अभद्र व्यवहार करने तथा शराब का सेवन कर शाला में उपस्थित होने की शिकायत सेवा संकल्प शिविर में की गई थी। शिकायत की जांच के लिए गठित जांच दल ने आरोपों की जांच की, जिसमें शिकायत की पुष्टि हुई। संबंधित कर्मचारी का उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के उपनियम (1), (2) एवं (3) के विपरीत तथा कदाचार की श्रेणी में पाया गया।

नर्सिंग और कम्प्यूटर कोर्स में रोजगारेन्जमुखी प्रशिक्षण के लिए काउंसलिंग 26 को

कांकेर। जिले के बेरोजगार युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने एवं उनके आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार स्व-रोजगार से जोड़कर उन्हें सक्षम बनाने के लिए लाइवलीहुड कॉलेज कांकेर में 30-30 सीटों में जनरल ड्यूटी असिस्टेंट (नर्सिंग) एवं डेक्टॉप पब्लिशिंग (कम्प्यूटर) कोर्स में निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशिक्षण के लिये 26 अक्टूबर को लाइवलीहुड कॉलेज गोविन्दपुर कांकेर में प्रातः 10 से शाम 04 बजे तक काउंसलिंग का आयोजन किया गया है। जिले के ऐसे युवा जिनकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक है जो इस प्रशिक्षण से जुड़कर अपना भविष्य संवारना चाहते हैं वे शैक्षणिक योग्यता की अंकसूची, आधार कार्ड, 02 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति के साथ निर्धारित समय में काउंसलिंग में उपस्थित होकर अपना पंजीयन करा सकते हैं।

डिजिटल अरेस्ट, यूपीआई घोखाधड़ी और सोशल मीडिया अपराधों से बचाव के बताए गए उपाय

पैरालीगल वॉलंटियर्स को साइबर अपराध एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव के लिए दिया गया प्रशिक्षण

कांकेर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कांकेर के मार्गदर्शन में आज जिला न्यायालय कांकेर में पैरालीगल वॉलंटियर्स के लिए साइबर अपराध एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पुलिस विभाग के साइबर सेल के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान



विशेषज्ञों ने साइबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया से जुड़े अपराध, सिम स्वेप, सिम सस्पेंड, टू-स्टेप वेरिफिकेशन तथा बैंकिंग संबंधी साइबर

घोखाधड़ी के विभिन्न तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही बैंक खाते, एटीएम, यूपीआई एवं ओटीपी को सुरक्षित रखने, सॉफ्टवेयर कॉल और लिंक से सतर्क रहने तथा अपनी

व्यक्तिगत एवं बैंकिंग संबंधी जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी गई। सोशल मीडिया खातों को सुरक्षित रखने के उपायों की जानकारी

भी दी गई। विशेषज्ञों ने साइबर ठगी का शिकार होने की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग

पोर्टल www.cybercrim.gov.in पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पैरालीगल वॉलंटियर्स को साइबर अपराधों एवं ऑनलाइन घोखाधड़ी के प्रति जागरूक और प्रशिक्षित करना है, ताकि वे आम नागरिकों तक साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी पहुंचाकर उन्हें संभावित ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए जागरूक कर सकें। इस पहल से आमजन में डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ने तथा साइबर अपराधों की रोकथाम में सहयोग मिलने की उम्मीद है।

बिजली पानी संकट, उद्योग के खिलाफ सड़कों पर उतरेंगी भारती गंधर्व, नवागढ़ विधानसभा में करेंगी जन-जागरण यात्रा

बेमेतरा। जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं की बदहाली को लेकर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी की जिला अध्यक्ष (म.वि.) भारती गंधर्व ने मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को भारती गंधर्व ने नवागढ़ ब्लाक के गांवों में दौरा किया, भारती ने कहा कि जिले के जर्जर स्कूल भवनों, आंगनवाड़ी केंद्रों की दुर्दशा, पेयजल संकट, बिजली संकट और उद्योगों के दुष्प्रभावों को लेकर वे जल्द ही नवागढ़ विधानसभा में व्यापक जन-जागरण यात्रा शुरू करेंगी। भारती गंधर्व ने कहा कि नवागढ़ विधानसभा के कई गांवों में आज भी बच्चे जुगाड़ के भवन टूटे-फूटे, छत टपकते स्कूल भवनों में पढ़ने को मजबूर हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों में न शौचालय है, न पानी, न बच्चों के बैठने की व्यवस्था। नौनिहाल जमीन पर बैठकर भविष्य गढ़ रहे हैं, जबकि शासन बड़े-बड़े दावे कर रहा है।

यात्रा के मुख्य मुद्दे - भारती ने बताया कि छग की आत्मा गाँव में



बसती हैं, हमे स्थानीय स्तर पर सुविधाओं को लेकर सड़क पर आने की जरूरत है, शिक्षा और आंगनवाड़ी की बदहाली जिले के 100 से अधिक स्कूल और आंगनवाड़ी भवन जर्जर, किसी भी दिन हादसे का खतरा है, हांप और शिवनाथ नदी किनारे बसे गांवों में भी नलों में पानी नहीं चल जीवन मिशन कागजी है , खारा पानी प्रभावित ग्रामों को एक साल से केवल एक बार पानी दिया जा रहा

है, अधोषित बिजली कटौती से किसान और छात्र दोनों परेशान, हैं, स्मार्ट मोटर के चलते आज लोग अंधेरे में रहने मजबूर हैं, क्षेत्र में संचालित स्पंज आयरन और अन्य उद्योगों से निकलने वाले धूल-धुएं से फसलें खराब हो रही है गंधर्व ने कहा, जल-जंगल-जमीन के रखवार संगठन का नारा ही हमारा मंत्र है। संगठन, संघर्ष और बदलाव के साथ हम गांव-गांव जाकर जनता की समस्याओं को सुनेंगे और उसका समाधान शासन-प्रशासन तक पहुंचाएंगे। यह यात्रा सिर्फ राजनीतिक नहीं, जनहित में हमर दौरा है।

उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान हर गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया जाएगा, अब राज्य 26 साल का हो गया है, आज भी गांव वालों की जरूरी सुविधा न मिलना चिंताजनक है छ वर्ष 2023 में विधानसभा चुनाव लड़ चुकी भारती ने कहा कि वे जनता को आवाज बनकर सेवा करना चाहती है।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के लिए 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

● पात्र विद्यार्थियों को निर्धारित प्रपत्र में ऑफ लाइन आवेदन 30 अक्टूबर तक जमा करना होगा

कांकेर। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शिक्षण सत्र 2026-27 के लिए पात्र विद्यार्थियों से 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान एवं निम्न आय वर्ग के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के उच्च व्यावसायिक संस्थानों जैसे आईआईटी, एआईआईएमएस, एनएल्यू,

एमबीबीएस, नीट, आईआईआईटी में चयन एवं प्रवेश के उपरांत तात्कालिक सहायता उपलब्ध कराना है। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि पात्र विद्यार्थियों को निर्धारित प्रपत्र में ऑफ लाइन आवेदन कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कांकेर में 30 अक्टूबर तक जमा करना होगा। आवेदन पत्र का प्रारूप कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कांकेर से अथवा विभागीय पोर्टल <https://eklavya.cg.nic.in/> से प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

राहुल की चाकू मारकर हत्या, 3 आरोपी गिरफ्तार, अर्धमुंडन कर निकाला जुल्स

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में दशहरा उत्सव के दौरान वक्त्र पर डांस करने को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी वारदात में बदल गया। मुझुपार दशहरा मैदान में 22 वर्षीय राहुल कुमार उर्फ गोल्डन की चाकू से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी गई। आरोप है कि विवाद के बाद राहुल को मैदान के पीछे स्थित गली में ले जाकर उस पर धारदार हथियार से हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल राहुल को इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि चौथे आरोपी को तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों का अर्धमुंडन कर जुल्स भी निकाला गया। यह पूरा मामला मानिकपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के मुझुपार दशहरा मैदान का है। जानकारी के मुताबिक, 20 अक्टूबर की रात रावण दहन कार्यक्रम के दौरान वक्त्र की धुन पर डांस चल रहा था। इसी बीच राहुल कुमार उर्फ गोल्डन और बिट्टू चैहान के बीच धक्का लगने को लेकर विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान राहुल ने बिट्टू को थपड़ मार दिया। इसके बाद बीच-बचाव के दौरान विजय चैहान भी वहां पहुंचा, जिसके साथ भी मारपीट और धक्का-मुक्की हुई। मामूली कहासुनी से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते गंभीर हो गया।

रायपुर की इस्पात फैक्ट्री में बड़ी चोरी, चौकीदार को बंधक बनाकर 800 किलो कॉपर वायर ले उड़े चोर

रायपुर। राजधानी के हीरापुर क्षेत्र स्थित अमरनाथ इस्पात फैक्ट्री में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। देर रात फैक्ट्री में घुसे चोरों ने चौकीदार को बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट की और करीब 800 किलोग्राम कॉपर वायर चोरी कर फरार हो गए। चोरी गए वायर की अनुमानित कीमत 10 से 12 लाख रुपये बताई जा रही है। घटना कबीर नगर थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के अनुसार, चोर रात करीब डेढ़ बजे फैक्ट्री में दाखिल हुए। उन्होंने सबसे पहले चौकीदार को पकड़कर बांध दिया और उसकी पिटाई की। इसके बाद फैक्ट्री में रखे कॉपर वायर को काटकर समेटा और मौके से भाग निकले। वारदात को अंजाम देने के दौरान आरोपी फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर भी अपने साथ ले गए, ताकि घटना से जुड़े साक्ष्य मिटाए जा सकें। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों को पहचान और चोरी गए सामान की बरामदगी के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रसव पीड़ा से तड़पती महिला का विडिओ वायरल होने के बाद स्टाफनर्स निलंबित

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में प्रसव पीड़ा से परेशान महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की है। मामला रेवतपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का है, जहां केंद्र में ताला लगा होने के कारण महिला को समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाने का मामला सामने आया। जांच के बाद स्टाफ नर्स अपूर्वा सिंह भदौरिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, रेवतपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर प्रसव पीड़ा से परेशान महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग

मैनपाट टाइटन्स और बैलाडिला बुल्स के बीच मुकाबला 3-3 से ड्रॉ हुआ

■ प्रहलाद बने ‘स्ट्राइकर ऑफ़ द मैच’, करण धनुक को ‘प्लेयर ऑफ़ द मैच’ का पुरस्कार

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के दूसरे दिन आज पहले मैच में कड़े मुकाबले के बीच मैनपाट टाइटन्स और बैलाडिला बुल्स के बीच मैच 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। पहले दो क्वार्टर्स में ओलंपियन प्रदीप मोर की टीम मैनपाट टाइटन्स का दबदबा रहा, जबकि आखिरी दो क्वार्टर्स में ओलंपियन चिंगलेनसाना सिंह की टीम बैलाडिला बुल्स ने बेहतर खेल दिखाया। शानदार खेल के लिए प्रहलाद को ‘स्ट्राइकर ऑफ़ द मैच’ चुना गया, जबकि करण धनुक को ‘प्लेयर ऑफ़ द मैच’ का पुरस्कार मिला। मैच का पहला हमला चौथे मिनट

में देखने को मिला। मैनपाट के खिलाड़ियों ने सर्कल में प्रवेश तो किया, लेकिन विपक्षी डिफेंडर्स ने आसानी से गेंद को बाहर निकाल दिया। इसके बाद जवाबी हमले में बैलाडिला बुल्स ने भी सर्कल में जगह बनाई, लेकिन उनके पास डिफेंस को चुनौती देने के लिए पर्याप्त ताकत नहीं थी। मैच के 7वें मिनट में मैनपाट के पास गोल करने का एक बेहतरीन मौका आया, जब प्रहलाद टांडी को सर्कल के अंदर गेंद मिली, लेकिन बैलाडिला बुल्स के गोलकीपर ने तेजी से आगे आकर इस मौके को नाकाम कर दिया। लगातार हमलों के बीच बैलाडिला को अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे संदीप ठाकुर ने गोल में बदल दिया। बुल्स ने बेहतर खेल दिखाया। शानदार खेल के लिए प्रहलाद को ‘स्ट्राइकर ऑफ़ द मैच’ चुना गया, जबकि करण धनुक को ‘प्लेयर ऑफ़ द मैच’ का पुरस्कार मिला। मैच का पहला हमला चौथे मिनट



किया। हालांकि ज्यादा मौके नहीं बने थे, लेकिन हाफ-टाइम से कुछ मिनट पहले प्रवीण यादव ने गोल कर दिया। प्रहलाद ने सर्कल के अंदर शानदार दौड़ लगाई और प्रवीण ने गेंद को बेहतरीन तरीके से डिप्लेक्ट करके गोल में बदल दिया।

के अंदर प्रवेश किया और आखिरकार उनकी लगातार कोशिशों का फल उन्हें मिला। जसकरण सिंह सर्कल के काफ़ी अंदर तक गए और उन्होंने राहुल यादव की तरफ गेंद फ्लिक की, जिसे राहुल ने गोल में बदल दिया। पिछले क्वार्टर की लय को बरकरार रखते हुए जसकरण ने चौथे क्वार्टर की शुरुआत में ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया। सर्कल के बाहर से लगाए गए एक ‘टोमहॉक’ शॉट की वजह से बैलाडिला को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे मैनपाट के गोलकीपर अल्फ़्रेड खान ने रोक दिया। मैनपाट के प्रहलाद को सर्कल के अंदर कुछ खाली जगह मिली, जहाँ से उन्होंने एक ‘रिवर्स फ़्लिक’ के जरिए अपनी टीम के लिए गोल कर दिया। मैच के अंत के करीब बैलाडिला के निहाल हुसैन अंसारी ने पेनल्टी कॉर्नर के रिबाउंड पर शॉट लगाकर अपनी टीम के लिए बराबरी का गोल किया।

एशियन पैरा गेम्स में छत्तीसगढ़ का स्वर्णिम परचम, तोमन कुमार और शीतल देवी ने रचा इतिहास

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में पैरा तीरंदाजी की कंपाउंड मिक्सड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर भारतीय पैरा तीरंदाज शीतल देवी और छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान खिलाड़ी तोमन कुमार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर भारतीय तिरंगे की शान बढ़ाने वाली यह स्वर्णिम उपलब्धि पूरे देश के साथ छत्तीसगढ़ के लिए विशेष गौरव का क्षण है। श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बेटे तोमन कुमार ने शीतल देवी के साथ शानदार तालमेल, सटीक निशानेबाजी और अद्भुत एकाग्रता का परिचय देते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया है।

अबूझमाड़ के मुहाने पर जलापूर्ति की नई मिसाल

■ जल जीवन मिशन से बदली ग्राम कचोरा की तस्वीर

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के सुदूर अंचलों तक मूलभूत सुविधाओं और शासकीय योजनाओं का लाभ पहुँचाने की मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की प्रतिबद्धता रंग ला रही है। जिला मुख्यालय नारायणपुर से लगभग 55 किलोमीटर दूर, ग्राम पंचायत महोरा के आश्रित गाँव कचोरा में जल जीवन मिशन ने ग्रामीणों के दैनिक जीवन में सुगमता और खुशहाली का नया अध्याय लिखा है। कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन में जिले के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं की

पहुँच सुनिश्चित की जा रही है, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण यह दूरस्थ गाँव बना है। मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर 24 परिवारों वाले इस गाँव की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को पेयजल की व्यवस्था के लिए योजना कड़ी मशक़त और कठिन श्रम करना पड़ता था। इस समस्या का स्थायी समाधान करने हेतु जल जीवन मिशन के तहत गाँव में लगभग 2,084 मीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई और 10 हज़ार लीटर क्षमता वाली दो सोलर-आधारित पानी की टैंकियाँ का निर्माण किया गया। आज गाँव के शत-प्रतिशत (24) परिवारों के घरों तक नल से शुद्ध और सुरक्षित पेयजल पहुँच रहा है, जिससे ग्रामीणों के समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है।

पीएम मातृ वंदना योजना से लछनदई को मिला आर्थिक संबल, शिशु के पोषण में मिली राहत...

■ बच्चे के जन्म के बाद उसके समुचित पोषण और देखभाल पर विशेष ध्यान देना आवश्यक होता

रायपुर/ संवाददाता



मदद मिलती है। कोण्डगांव जिले के ग्राम दहिकोंगा की निवासी श्रीमती लछनदई मंडावी भी इस योजना से लाभान्वित हुई हैं। उन्हें बच्चे के जन्म के समय प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्राप्त हुई। इस राशि से उन्हें अपने बच्चे के पूरक पोषण आहार की आवश्यकताओं को पूरा करने में काफ़ी राहत मिली। बच्चे के जन्म

एनसीबी और खाद्य एवं औषधि प्रशासन की संयुक्त टीम ने 11 मेडिकल का किया निरीक्षण



■ चार मेडिकल स्टोर्स में अभिलेखों के संधारण में अनियमितता मिलने पर कारण बताओ नोटिस जारी

रायपुर/ संवाददाता

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) और खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला रायपुर की संयुक्त टीम ने आज जिले के 11 मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य नशीले पदार्थों के रूप में दुरुपयोग की आशंका वाली औषधियों के अवैध क्रय-विक्रय, अनधिकृत भंडारण और वितरण पर नियंत्रण के साथ औषधि संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करना था। निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टोर्स में औषधियों के क्रय-विक्रय, उपलब्ध स्टॉक, भंडारण व्यवस्था और संबंधित अभिलेखों की जांच की गई। टीम ने यह भी देखा कि औषधियों की खरीदी अधिकृत स्रोतों से हो रही है या नहीं तथा क्रय-विक्रय और स्टॉक का रिकॉर्ड निधिरित नियमों के अनुरूप रखा जा रहा है या नहीं। जांच में सर मेडिकल्स, भनपुरी, लक्ष्मी मेडिकल शॉप, संतोषी नगर; और मां लक्ष्मी मेडिकल स्टोर्स, कुकुरेबड़ा में औषधियों के क्रय-विक्रय संबंधी अभिलेखों के संधारण में अनियमितताएं पाई गईं। संबंधित चारों फ़र्मों को अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर देते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किए जा रहे हैं। फ़र्मों से प्राप्त जवाब और उपलब्ध अभिलेखों की जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त निरीक्षण दल में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की ओर से औषधि निरीक्षक डॉ. सुरेश कुमार साहू, श्री ईश्वरी नारायण सिंह, श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, श्रीमती हंसा साहू और श्री ओम प्रकाश यादव शामिल थे। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के चार अधिकारी भी दल में मौजूद रहे। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने मेडिकल स्टोर संचालकों से अपील की है कि वे केवल वैध स्रोतों से औषधियों का क्रय करें, स्टॉक और क्रय-विक्रय के अभिलेख अद्यतन रखें तथा लाइसेंस की शर्तों सहित लागू नियमों का कड़ाई से पालन करें। औषधियों के अवैध क्रय-विक्रय और दुरुपयोग की रोकथाम के लिए विभागीय समन्वय से निरीक्षण एवं निगरानी जारी रहेगी।

शासकीय योजनाओं से मिली जीवन को मजबूती, बच्चों का भविष्य संवार रहे है...

■ परिवार को महतारी वंदन, भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण, उज्ज्वला और आयुष्मान योजना से मिल रही मदद

रायपुर/ संवाददाता

मेहनत-मजदूरी से परिवार का भरण-पोषण करना और अपने बच्चों को पढ़ा-लिखाकर उनका भविष्य संवारना कबीरधाम जिले के ग्राम रवेली निवासी श्री विजय साहू के जीवन का प्रमुख लक्ष्य है। खेती के लिए स्वयं की जमीन नहीं होने के कारण वे मजदूरी करके परिवार की जरूरतें पूरी करते हैं।



सीमित आय के बीच परिवार की ज़िम्मेदारियाँ निभाने में शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं उनके लिए सहारा बन रही हैं। श्री विजय साहू की पत्नी नीतू साहू को एक तरफ़ महतारी वंदन योजना के तहत आर्थिक सहायता मिल रही है। वहीं, भूमिहीन होने के कारण परिवार को दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन और आयुष्मान कार्ड की सुविधा भी मिली है। इन योजनाओं से परिवार को आर्थिक सहयोग के साथ रसोई और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है। श्री साहू के परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। तीनों बच्चे गांव रवेली में ही पढ़ाई कर रहे हैं। परिवार की सीमित आय के बावजूद वे मजदूरी करके अपने बच्चों की शिक्षा और उनके बेहतर भविष्य के लिए प्रयासरत हैं। उनके लिए बच्चों की पढ़ाई और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना महत्वपूर्ण है। ऐसे में शासकीय योजनाओं से मिलने वाली सहायता परिवार की ज़िम्मेदारियों को निभाने में सहयोग कर रही है।

मुजगहन हत्याकांड का पुलिस ने किया गया त्वरित खुलासा

रायपुर। पुलिस अधीक्षक धमतरी भावना पांडेय के निर्देशन में जिले में अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा गंभीर अपराधों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध त्वरित वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना अर्जुनी पुलिस ने ग्राम मुजगहन में पुरानी रंजिश को लेकर युवक पर चाकू एवं डंडे से हमला कर हत्या करने के मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए 04 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा है। दिनांक 21 अक्टूबर 2026 की रात्रि लगभग 10:20 बजे ग्राम मुजगहन के मेन रोड पर सुदामा साहू के घर के सामने पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हुआ। इस दौरान आरोपियों द्वारा दीर्घांशु साहू एवं विकास साहू के साथ गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्के, लकड़ी के डंडे एवं धारदार चाकू से हमला किया गया। हमले में दोनों युवक गंभीर रूप से

घायल होकर बेहोश हो गए। उन्हें तत्काल शासकीय जिला अस्पताल धमतरी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दीर्घांशु साहू को मृत घोषित कर दिया। वहीं, विकास साहू का उपचार जारी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना अर्जुनी पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए आरोपियों को पतासाजी कर उन्हें हिरासत में लिया। पूछताछ एवं मेमोरैंडम कथन के आधार पर आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 02 लकड़ी के डंडे तथा घटना में प्रयुक्त सामान गवाहों के समक्ष विधिवत जब्त किए गए। धाराएं: 296, 115(2), 118(1), 351(3), 190, 191(1), 191(2), 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत वैधानिक कार्यवाही कर आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर यथिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

मृत्यु के बाद भी दूसरों के जीवन में उजाला लाने की मिसाल बने 23 वर्षीय यश गुप्ता

नेत्रदान से मृत्यु के बाद भी जीवित रहती है मानव सेवा की भावना

■ मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में दूसरा नेत्रदान, शोक की घड़ी में परिजनों ने लिया मानव सेवा का प्रेरणादायी निर्णय

■ नेत्रदान से जरूरतमंदों को मिलेगी नई रोशनी की उम्मीद, स्वास्थ्य विभाग और मेडिकल कॉलेज की टीम ने पूरी की प्रक्रिया

रायपुर/ संवाददाता

जीवन की अंतिम यात्रा के बाद भी किसी के लिए नई रोशनी की उम्मीद बन जाना मानवता की अनमोल मिसाल है। छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम विजयपुर

निवासी 23 वर्षीय स्वर्गीय यश गुप्ता के परिजनों ने इसी भावना को साकार किया है। युवा अवस्था में यश के असामयिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, लेकिन इस कठिन घड़ी में भी परिजनों ने नेत्रदान का निर्णय लेकर मानव सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। जिले में यह दूसरा नेत्रदान है, जो समाज में अंधंगल और नेत्रदान के प्रति बढ़ती जागरूकता का सकारात्मक संदेश देता है। ग्राम विजयपुर निवासी स्वर्गीय श्री यश गुप्ता, पिता स्वर्गीय श्री अश्विन गुप्ता के निधन के बाद उनके परिजनों ने 22 अक्टूबर को नेत्रदान की सहमति दी। परिजनों का यह संवेदनशील निर्णय उन जरूरतमंद लोगों के लिए आशा की किरण बनकर सामने आया है, जो दृष्टिबाधिता के कारण जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। नेत्रदान से प्राप्त कॉर्निया के प्रत्यारोपण द्वारा पात्र जरूरतमंद व्यक्तियों को दृष्टि प्राप्त करने में सहायता मिल सकती है। नेत्रदान की प्रक्रिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोटाटोला एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहला के स्वास्थ्य अमले के सहयोग से संपन्न हुई। राजनांदगांव जिले के मुख्य चिकित्सा



एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरते, जिला सहायक नोडल अधिकारी श्री सुनील कुमार वर्मा एवं श्री सुदेश कुमार रामटेके तथा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय खोबरगड़े और जिला अंधत्व नोडल अधिकारी डॉ. आर.आर. धुर्वे

के मार्गदर्शन में यह प्रक्रिया पूरी की गई। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश ठाकुर की निगरानी में मेडिकल कॉलेज पेंड्री, राजनांदगांव की नेत्रदान टीम ने आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया संपन्न कराई। टीम में डॉ. शिवानी, डॉ. जयंत, डॉ. पवन एवं नेत्र सहायक अधिकारी श्री संजीव कुमार यादव

शामिल रहे। इस कार्य में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोटाटोला के नेत्र सहायक अधिकारी श्री आकाश साहू, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की डीडीकसा के नेत्र सहायक अधिकारी श्री छबल नेताम, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहला के चिकित्सा अधिकारी डॉ. आनंद बेडकर, एमएलटी श्री विनोद साहू एवं ग्रामीण चिकित्सा सहायक श्री विष्णु गुप्ता ने भी महत्वपूर्ण सहयोग दिया। नेत्रदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन में नई उम्मीद जगाने का माध्यम भी है। स्वर्गीय यश गुप्ता के परिजनों ने व्यक्तिगत दुख से ऊपर उठकर समाज के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का परिचय दिया है। उनका यह निर्णय बताता है कि मानव सेवा की भावना जीवन के बाद भी दूसरों के लिए उपयोगी बन सकती है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में संपन्न दूसरा नेत्रदान पूरे छत्तीसगढ़ के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। यह पहल समाज को संदेश देती है कि नेत्रदान का एक संकल्प किसी जरूरतमंद के जीवन में उजाला ला सकता है। यश गुप्ता की स्मृति अब मानवता की इस अनुरक्णीय पहल के माध्यम से भी जीवित रहेगी।

संपादकीय

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड एनएसजी का 42वें स्थापना दिवस पर पूरे देश को हमेशा गर्व रहता है। अक्षरधाम से मुंबई आतंकी हमले तक, देश के वो 5 बड़े ऑपरेशन, जब एनएसजी ने पलक झपकते ही बदल दिया था पासा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में तैनात एनएसजी कमांडो को आपने जरूर देखा होगा। हमेशा अलर्ट मोड में रहने वाले ये कमांडो सिर्फ पीएम को सुरक्षा ही नहीं देखते बल्कि

देश में संकट के समय सबसे बड़ी ढ़ाल बनकर खड़े हो जाते हैं। इन ‘ब्लैक कैट कमांडो’ नेशनल मिक्वोरिटी गार्ड (एनएसजी) ने कई आतंकी हमलों को नाकाम किया है. देश के भीतर जब भी कोई संकट आता है तो दुर्यमन पर सबसे तगड़ा वार करने में एनएसजी कमांडो ही ना आता है। एनएसजी पर पिछले 42 सालों में हज़्ब के नाम कई शीर्ष गाथाएं लिखी जा चुकी हैं। एनएसजी ने न

कर्तव्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की मिसाल है एनएसजी कमांडोज

केवल देश को संकट से उबार बल्कि दुनिया को भारत के कड़े प्रहार की ताकत दिखाई। 26 नवंबर 2008 की, जब मुंबई में पाकिस्तान से आए लश्कर-ए-तैयबा के आतंकीयों ने हमला किया. ये वो काली रात थी, जब माया नगरी मुंबई की सड़कों पर गोलियों की तड़तड़ाहट का शोर गुंजने लगा. मुंबई का यह आतंकी हमला भारत के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा हमला था. पाक के 10

आतंकीयों ने मुंबई के ताज होटल, ट्राइडेंट होटल और नरीमन हउस को बंधक बना लिया था. पूरा देश सहमा हुआ था। इस हमले के आतंकीयों के खात्मे और आम लोगों को बचाने की जिम्मेदारी एनएसजी को मिली थी। सितंबर 2002 में गुजरात के गांधीनगर में स्थित प्रसिद्ध अक्षरधाम मंदिर को आतंकीयों ने निशाना बनाया. आतंकी हथियार लेकर मंदिर परिसर में दाखिल हो गए और अंधाधुंध

गोलीबारी करने लगे. आतंकीयों ने कई श्रद्धालुओं को बंधक भी बनाया. पहले इस हमले से स्थानीय पुलिस बल को कमान दी गई. लेकिन स्थिति गंभीर होने के बाद दिल्ली से एनएसजी कमांडो गांधीनगर पहुंचे और मोर्चा संभाल लिया। पठानकोट एयरबेस हमले के दौरान एनएसजी का ऑपरेशन धंगू सुरक्षा अभियान चलाया था। वहीं अमृतसर आईसी -427 हज़ाईक और एनएसजी का ऑपरेशन अश्वमेध को

कौन भूल सकता है। वहीं एनएसजी का ऑपरेशन ब्लैक थंडर चला था। करीब 122 से अधिक संदिग्धों को पकड़ा गया था और बिना किसी खून-खराबे के स्वर्ण मंदिर परिसर से चरमपंथियों को बाहर निकाला गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोस अध्यक्ष ओम बिरला और नितिन गडकरी ने देश के जांबाज ‘ब्लैक कैट्स’ कमांडो के अदम्य साहस और सर्वोच्च समर्पण को नमन किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी संदर्भ में समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की शासन-दृष्टि के बीच स्पष्ट अंतर रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सपा सत्ता में आती है तो माफिया और बदमाश लेकर आती है, जबकि भाजपा विकास और बदलाव लेकर आती है। उनके इस राजनीतिक आकलन को कसारी-मसारी की जमीन एक ठोस संदर्भ देती है। जिस अतीक अहमद का नाम कभी प्रयागराज में राजनीतिक प्रभाव और आपराधिक वर्चस्व का पर्याय था, उसी के कब्जे से मुक्त भूमि पर अब गरीबों के आवास बनने जा रहे हैं।

(प्रणय विक्रम सिंह) कभी-कभी किसी जमीन पर खड़ी इमारतों से अधिक उसकी खामोश मिट्टी अपने समय की कहानी कहती है। वह बताती है कि किस दौर में ताकतवरों की मनमानी कानून पर भारी पड़ती थी और किस दौर में कानून ने गरीब के अधिकार को ताकत दी।

प्रयागराज के कसारी-मसारी की मिट्टी भी ऐसे हो दो दौर की साक्षी है।कभी यहां माफिया अतीक अहमद और उसके गुर्गों का कब्जा था। लगभग 15 बीघे भूमि पर माफिया ने अपना अस्तबल बना रखा था। जिस जमीन पर सामान्य परिवारों के सपने आकार ले सकते थे, वहां दबंगई का प्रदर्शन होता था। अब उसी भूमि पर गरीबों के लिए आशियाने बनने जा रहे हैं। यह बदलाव केवल भूखंड के उपयोग का नहीं, उस व्यवस्था की प्राथमिकताओं का है, जिसमें कभी माफिया का वर्चस्व था और अब जरूरतमंद के अधिकार को महत्व मिल रहा है।

अस्तबल से आशियाने तक- बदलती जमीन, बदलती व्यवस्था: कसारी-मसारी का अस्तबल केवल घोड़ों का डिकाना नहीं था। वह उस व्यवस्था पर खड़ा एक सवाल था, जिसमें गरीब अपनी छत के लिए संघर्ष करता रहा और एक बाहुबली ने जमीन के बड़े हिस्से को अपने निजी साम्राज्य का विस्तार बना लिया। आखिर यह दुस्साहस किसके संरक्षण में पनपा? अपराधी की ताकत केवल उसके गुर्गों में नहीं होती, उसे उस व्यवस्था की कमजोरी भी बल देती है, जो कानून से अधिक दबंगई को प्रभावी होने देती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी संदर्भ में समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की शासन-दृष्टि के बीच स्पष्ट अंतर रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सपा सत्ता में आती है तो माफिया और बदमाश लेकर आती है, जबकि भाजपा विकास और बदलाव लेकर आती है। उनके इस राजनीतिक आकलन को कसारी-मसारी की जमीन एक ठोस संदर्भ देती है। जिस अतीक अहमद का नाम कभी प्रयागराज में राजनीतिक प्रभाव और आपराधिक वर्चस्व का पर्याय था, उसी के कब्जे से मुक्त भूमि पर अब गरीबों के आवास बनने जा रहे हैं।

जिस जमीन पर कभी माफिया अपनी ताकत का प्रदर्शन करता था, उसी पर अब सरकार गरीबों के लिए घर बना रही है। सत्ता की प्राथमिकताओं का अंतर इससे अधिक स्पष्ट और क्या होगा?: माफिया से मुक्त कराई गई लगभग 9,811 वर्ग मीटर भूमि पर पचालोक आवासीय परियोजना के अंतर्गत 191 करोड़ से अधिक की लागत से 602 आवासों के निर्माण का शुभारंभ हुआ है। इस परियोजना ने उस जमीन को एक नई पहचान देने की शुरुआत की है, जो कभी अवैध कब्जे का प्रतीक थी।अब यहां बनने वाला प्रत्येक घर एक परिवार के लिए सुरक्षा, स्थायित्व और स्वाभिमान का आधार बनेगा। जीरो टॉलरेंस से जनकल्याण तक- कानून की कठोरता, शासन की संवेदना: इन



आशियानों की नींव से पहले उस अवैध कब्जे को समाप्त करना आवश्यक था, जिसने भूमि को सार्वजनिक उपयोग से दूर रखा था। यहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति का जनकल्याणकारी पक्ष सामने आता है। अपराध के विरुद्ध कठोरता का उद्देश्य केवल अपराधी पर अंकुश लगाना नहीं, सामान्य नागरिक के अधिकारों की रक्षा करना भी है। कानून का राज तभी सार्वक होता है, जब उसके संरक्षण में नागरिक निर्भय होकर जीवन जी सके और सार्वजनिक संसाधन समाज के हित में उपयोग किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में माफियागिरी करने वालों को कठोर चेतावनी देते हुए कहा कि प्रयागराज में अब कोई ऐसा दुस्साहस न करे और यदि कोई करेगा या करेगा, तो उसे 'मिट्टी में मिलने' की तैयारी कर लेनी चाहिए।अपराध पर अंकुश, अधिकार का संरक्षण और आमजन का उत्थान, सुशासन के ये तीनों आयाम यहां एक-दूसरे से जुड़ते दिखाई देते हैं। कानून की दृढ़ता जब लोककल्याण की संवेदना से जुड़ती है, तभी व्यवस्था में परिवर्तन का लाभ सामान्य व्यक्ति तक पहुंचता है।

श्रीकृष्णपुरी नाम में निहित न्याय और लोकमंगल का संदेश: इस परिवर्तन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक नई सांस्कृतिक पहचान देने का संकल्प भी व्यक्त किया है। उन्होंने घोषणा की कि कसारी-मसारी क्षेत्र को ‘श्रीकृष्णपुरी’ के रूप में विकसित किया जाएगा। यह विचार भौतिक विकास से आगे बढ़कर उस सामाजिक वातावरण की कल्पना करता है, जहां भय के स्थान पर विश्वास और वर्चस्व

के स्थान पर न्याय प्रतिष्ठित हो।भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में अन्याय के प्रतिरोध और लोकमंगल की प्रेरणा एक साथ दिखाई देती है। मथुरा में कंस का अत्याचार उस सत्ता का प्रतीक है, जो प्रजा की रक्षा के बजाय उसे भयभीत करती है। कंस के कारागार में जन्म लेने वाले श्रीकृष्ण का जीवन इस विश्वास को दृढ़ करता है कि अन्याय कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, उसका प्रतिरोध संभव है। किंतु उनकी कथा केवल अत्याचार के अंत की नहीं, धर्म की स्थापना और निर्बलों के संरक्षण की भी है।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण का उद्धोष है 'परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्। धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे॥' इस श्लोक की आध्यात्मिक प्रेरणा को आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून की सर्वोच्चता, नागरिक अधिकारों की रक्षा और लोककल्याण के प्रति शासन की प्रतिबद्धता से जोड़ा जा सकता है।श्रीकृष्ण का जीवन केवल अत्याचार के अंत की कथा नहीं, अत्याचार से मुक्त समाज के निर्माण की प्रेरणा भी है। कंस का अंत एक घटना थी, लेकिन मथुरा को भय से मुक्ति दिलाना उसका व्यापक अर्थ था। इसी प्रकार कसारी-मसारी में माफिया का कब्जा हटना एक प्रशासनिक कार्रवाई है, किंतु वहां गरीब परिवारों के लिए घर बनना उस कार्रवाई को लोकमंगल का स्वरूप देता है।इसी दृष्टि से ‘श्रीकृष्णपुरी’ का संकल्प केवल नाम की नवीनता नहीं, बल्कि ऐसी बस्ती की आकांक्षा है, जहां हर परिवार सुरक्षा और सम्मान के साथ जीवन जी सके।

जहां कभी दहशत थी, वहां अब बचपन मुस्कुराएगा: आने वाले वर्षों में जब इस

क्षेत्र में परिवार बसेंगे, तब परिवर्तन की वास्तविक तस्वीर दिखाई देगी। सुबह किसी घर से बच्चे विद्यालय के लिए निकलेंगे, किसी आंगन में तुलसी का पौधा लहलहाएगा, किसी देहरी पर बज्रुंग बैठकर पड़ोसियों का अभिवादन करेंगे। शाम को काम से लौटते पिता के कदम अपनी चौखट की ओर बढ़ेंगे और त्योहारों पर घरों की रोशनी पूरी बस्ती को आलोकित करेगी।संभव है, इन्हीं घरों में पलने वाला कोई बच्चा एक दिन अपने पिता से पूछे कि यहां पहले क्या था। पिता उसे बताए कि कभी इस जमीन पर माफिया का कब्जा था, यहां घोड़ों का अस्तबल हुआ करता था। फिर कानून ने भूमि को मुक्त कराया और यहां गरीब परिवारों के घर बनाए गए। बच्चा शायद उस पुराने दौर की दहशत को समझ भी न पाए और अपने दोस्तों के साथ खेलने निकल जाए।किसी व्यवस्था की इससे बड़ी उपलब्धि क्या होगी कि जिस भय को एक पीढ़ी ने सहा, आगली पीढ़ी उसे केवल इतिहास की कहानी के रूप में जाने।‘कसारी-मसारी’ से ‘श्रीकृष्णपुरी’ की यात्रा इसी भविष्य की नींव है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस भूमि को माफिया के अवैध कब्जे से मुक्त कराकर गरीबों के आवास निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है, वहां आने वाले वर्षों में सैकड़ों परिवारों का अपना संसार होगा।कल तक जिस जमीन पर घोड़ों की टापें माफिया के वर्चस्व का अहसास कराती थीं, वहां अब बच्चों की किलकारियां गुंजेगी। और तब इस परिवर्तन की सबसे बड़ी पहचान किसी शिलापट्ट पर लिखा नाम नहीं, बल्कि उन घरों की देहरियों पर मुस्कुराता बचपन होगा।

स्त्री की आजादी पर पहरा क्यों, सुरक्षा के नाम पर कब तक रहेगी कैद?

आजादी के बाद स्थितियां और बदलीं, लेकिन एक मामले में चीजें यथावत रहीं-वह था पुरुष का नियंत्रण। यह पितृसत्तात्मक समाज के बदलाव का दौर था, जिसमें घर के मुखिया ने रक्षा का दायित्व ले रखा था। एक पिता के तौर पर अपनी पुत्रियों को समाज की कुदृष्टि से बचाने का दायित्व पिता का था और समाज के धीमे बदलाव को देखते हुए घर एक तरह से किला बन गया था-एक ऐसा किला, जिसके अंदर स्त्रियां अपने आप को सुरक्षित मानती थीं।

(नीलम सिंह)

जब हम स्त्री की अस्मिता के संघर्ष पर गौर करते हैं, तो सदियों की यात्रा आंखों के सामने दौड़ जाती है कि कैसे सुनियोजित ढंग से यह तय किया गया कि महिलाओं को समाज में कैसे रहना है, कैसे बोलना है और कैसे उठना-बैठना है। धीरे-धीरे समय ने करवट ली और समाज में कई बदलाव हुए। पढ़े-लिखे घरों में महिलाओं को उचित सम्मान मिलने लगा और कुछ हद तक बराबरी का दर्जा भी।

आजादी के बाद स्थितियां और बदलीं, लेकिन एक मामले में चीजें यथावत रहीं-वह था पुरुष का नियंत्रण। यह पितृसत्तात्मक समाज के बदलाव का दौर था, जिसमें घर के मुखिया ने रक्षा का दायित्व ले रखा था। एक पिता के तौर पर अपनी पुत्रियों को समाज की कुदृष्टि से बचाने का दायित्व पिता का था और समाज के धीमे बदलाव को देखते हुए घर एक तरह से किला बन गया था-एक ऐसा किला, जिसके अंदर स्त्रियां अपने आप को सुरक्षित मानती थीं।

हलांकि किले के बाहर की दुनिया उतनी ही असुरक्षित थी। स्कूल जाते वक्त कोई भी आइट पीछा किए जाने का एहसास दिलाती थी और हमेशा एक अनजाना भय बना रहता था। ऐसे में घर की चारदीवारी सबसे सुरक्षित स्थान लगती थी, कैद-ए-हयात की तरह। बाहर निकलते ही दुनिया उतनी ही बदपूरत

दिखाई देती। आज के दौर में जब लड़कियां बाहर आई हैं और अपनी आवाज उठा रही हैं, तो इस बात पर



गौर करना जरूरी है कि वे उन्हीं औजारों को लेकर बाहर आई हैं, जिनसे उन्हें कैद करने की साजिश की गई थी। पुरुषों को लड़कियों द्वारा लगाए गए नारों पर बहुत आपत्ति है। बहुत-से सवाल उठ रहे हैं कि क्या पिता और भाई पुरुष नहीं हैं? यह सच है कि लड़कियों के लिए उनके पिता और भाई केवल पुरुष नहीं हैं, बल्कि वे उनके संरक्षक और आदर्श हैं। उनमें पुरुष की वह दृष्टि नहीं होती, जो स्त्री को वस्तु की तरह देखती है। वे अपनी बेटी या बहन से पुरुष

कि ये सभी पुरुषों के बारे में हैं, उचित नहीं होगा। ये उन पुरुषों की बात करते हैं, जो लड़कियों को छेड़ते हैं और उनके सम्मान को ठेस पहुंचाते हैं, जो महिलाओं को सामान की तरह तालते हैं, जो बलात्कार करते हैं-कभी भाषा के स्तर पर तो कभी शरीर के स्तर पर। एक स्त्री जब अपनी कैद को खुद की सुरक्षा समझने लगे, किसी पुरुष द्वारा न पीटे जाने को अपना सौभाग्य समझने लगे, तो उस समाज में उसकी स्थिति का आकलन करना मुश्किल नहीं है। सवाल है कि यह आवाज क्यों उठी?

क्या यह एक दिन का मामला है? अगर यह केवल एक बलात्कार का मामला होता, तो विरोध में बैठी महिलाएं कभी सड़क से उठ नहीं पातीं। यह आवाज उस घुटन की है, जो वर्षों से पुरुषों के भय के कारण भीतर दबती रही है। किसी का गलत तरीके से डूना, अपशब्द कह देना और अंत में बेहद व्यंग्यात्मक ढंग से धमा मांग लेना-क्या इतनी भर ही है किसी महिला की पीड़ा?जिस देश में बलात्कार केवल शरीर से नहीं, भाषा से भी होता हो, उस देश में स्त्री सुरक्षित कैसे हो सकती है? जहां पढ़े-लिखे से लेकर अनपढ़ तक गालियों को अपना औजार मानते हैं, किसी महिला को नीचा दिखाना हो, तो उसके चरित्र पर सवाल उठाया जाए और किसी पुरुष को नीचा दिखाना हो, तो उसके घर की महिला को निशाना बनाया जाए। यानी इन सबके केंद्र में स्त्री ही रहेगी। लड़ाई चाहे स्त्री और पुरुष के बीच हो, दो दोस्तों के बीच हो या दो पड़ोसियों के बीच-अपमान का माध्यम महिला को ही बनाया जाएगा।

हल के दिनों में इस तरह के नारे पहली बार सुनने को मिल रहे हैं। नारों को ध्यान से समझा जाए, तो ज्यादातर नारे सामान्य जनजीवन से आए हैं। इनमें न आध्यात्मिकता का ध्यान रखा गया है, न संस्कार का, न सौंदर्य का और न ही किसी तरह की लाल-लपेट का। इनमें केवल लयात्मकता है-ऐसी लय जो चलती रहे, मगर मारक हो।

लड़कियों की मांग है सिर्फ एक सामान्य जीवन। उन्हें देवी नहीं बनना है, उन्हें संस्कारों की अर्थी नहीं ढोनी है। उन्हें केवल एक सुरक्षित और सम्मानपूर्ण जीवन जीने का अधिकार चाहिए। एक जायदाद की तरह हर वक्त भाई और पिता की पहरेदारी नहीं चाहिए। उन्हें चाहिए एक मुक्त और सुरक्षित जीवन, जो सहज, सामान्य और स्वाभाविक हो।मौजूदा दौर की घटनाएं प्रेशर कुकर की सीटी की तरह हैं। कुकर की सीटी की आवाज तेज और कर्कश होती है, लेकिन किसी कारणवश वह सीटी बजनी बंद हो जाए, तो समझना चाहिए कि कुछ गड़बड़ है या होने वाला है। अगर प्रेशर वाल्व में खराबी आ जाए, तो सीटी तो नहीं बजेगी, बल्कि पूरा कुकर ही फट सकता है। भारतीय समाज में शिव और शक्ति के बीच का संतुलन ही अर्धनारीश्वर की कल्पना का आधार है। अगर यह संतुलन नष्ट हुआ, तो हमारे पौराणिक ग्रंथों में जिस प्रलय की कल्पना की गई है, वह कुछ और नहीं, बल्कि समाज की विध्वंखलता के रूप में सामने आ सकता है। बेहतर यही है कि समाज इन नारों को प्रेशर कुकर की सीटी समझे और समय रहते उस संतुलन को कायम करे, जिसमें महिलाओं को उचित स्थान और पूरा मान-सम्मान मिले।

संक्षिप्त समाचार

फूलीडूमर स्कूल में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, विद्यार्थियों को बताया मताधिकार का महत्व



बलरामपुर। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आज विकासखंड वाइफनगर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फूलीडूमर में इलेक्टोरल लिटरसी क्लब (ईएलसी) के तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभारी प्राचार्य श्री देवेंद्र उपाध्याय के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम में 17 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके तथा शीघ्र 18 वर्ष के होने वाले विद्यार्थियों को मतदाता पंजीयन और मतदान के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को मतदान के महत्व, निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान तथा सोच-समझकर सही उम्मीदवार के चयन की जानकारी दी गई। उन्हें जिम्मेदार नागरिक के रूप में लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने और भविष्य में अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व अमला सक्रिय, गांवों में गिरदावरी व डिजिटल क्राॅप सर्वे का सत्यापन



बलरामपुर। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर जिले में फसल गिरदावरी और डिजिटल क्राॅप सर्वे का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में आज शंकरगढ़ तहसील के ग्राम नावाडीह एवं डीपाडीहखुर्द तथा ग्राम कृष्णनगर (धमनी) में राजस्व अमले ने खेतों में पहुंचकर गिरदावरी की, वहीं विकासखंड वाइफनगर की रघुनाथनगर तहसील के ग्राम बलंगी और गैना में डिजिटल क्राॅप सर्वे का भीतिक सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान खेतों में बोई गई फसलों का मिलान अभिलेखों में दर्ज प्रविष्टियों से किया गया। सटीक फसल रिकॉर्ड से किसानों को समर्थन मूल्य पर धान विक्रय सहित शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा होगी। जिला प्रशासन द्वारा यह कार्य समय-सीमा में त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण कराने के लिए नियमित निगरानी की जा रही है।

सकरी पुलिस की कार्रवाई, ताश से जुआ खेलते 9 आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। सकरी पुलिस ने जुआ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ग्राम गिरछौना में गौठान के पास ताशपती से रुपये-पैसे का दांव लगाकर जुआ खेल रहे 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10,500 रुपये नकद, 52 ताशपती, एक बोरी फूटी और एक अधजली मोमबत्ती जब्त की है। पुलिस के अनुसार, गश्त और पेट्रोलिंग के दौरान मुखाबिर से ग्राम गिरछौना में जुआ खेले जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर दखिब दी, जहां आरोपी ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाते मिले। कार्रवाई के दौरान सभी नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों में लेखू सिंगरील (52), भुलत राम सिंगरील (39), सुनील सिंगरील (32) और संतोष ध्वव (40), सभी निवासी ग्राम मौंड, धाना तखतपुर; नरेंद्र सिंगरील (36), नोहर कुमार सिंगरील (45), भागीरथी साहू (26), ब्रजण कुमार जायसवाल (42) और दशरथ कैवर्त (28), सभी निवासी ग्राम गिरछौना शामिल हैं। यह कार्रवाई डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार पटेल और नगर पुलिस अधीक्षक परमेश्वर तिलकवार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सकरी संजय सिंदे के नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम को इस कार्रवाई में सक्रिय भूमिका रही।

पद्मश्री माता राजमोहिनी देवी के समाधि स्थल एवं आश्रम का कलेक्टर ने किया अवलोकन

■ माघ मेले में आज भी हजारों अनुयायी पहुंचकर करते हैं श्रद्धांजलि अर्पित

■ माता राजमोहिनी देवी की सामाजिक विरासत को सहेजने तथा संरक्षण की दिशा में पहल

सूरजपुर संवाददाता। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने प्रतापपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत गोविंदपुर (रज्मेलेन) पहुंचकर ऐतिहासिक एवं सामाजिक महत्व की दृष्टिकोण से पद्मश्री माता राजमोहिनी देवी के समाधि स्थल एवं आश्रम का परिसर का भ्रमण कर संरक्षण और रखरखाव अवलोकन

किया। इस दौरान उन्होंने माता के अनुयायियों से संवाद कर उनके जीवन, सामाजिक योगदान एवं समाधि स्थल से जुड़ी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्थल पर साफ-सफाई, आवश्यक सुविधाओं के विस्तार में आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए। इस दौरान पद्मश्री माता राजमोहिनी देवी जन सेवा संस्था आश्रम के संरक्षक श्री त्रिभुवन सिंह टेकाम ने शासन द्वारा पूर्व में किये गए सहयोग को जानकारी दी। उन्होंने आश्रम के लिए आवश्यक पहल करने का आग्रह किया। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती जमील ने आश्रम परिसर का भी अवलोकन किया। इस दौरान माता राजमोहिनी देवी की पुत्री श्रीमती राम बाई ने पुष्प भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। कलेक्टर ने माता की पुरानी कुटिया का भ्रमण



किया, जहां श्रीमती राम बाई ने माता के जीवन से जुड़ी स्मृतियों, उनके द्वारा उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक बर्तनों एवं अन्य सामग्री की जानकारी दी। कलेक्टर ने इन स्मृतियों को आत्मीयता से देखा तथा माता के जीवन और समाज सुधार से जुड़े प्रसंगों को जाना। उन्होंने परिसर स्थित मंदिर में भी दर्शन

किया। साथ ही माता के जीवन पर आधारित पुस्तक तथा पद्मश्री सम्मान सहित अन्य सम्मान एवं मेडल का भी अवलोकन किया। माता के अनुयायियों ने बताया कि पद्मश्री माता राजमोहिनी देवी ने आदिवासी समाज में व्याप्त सामाजिक कुुरीतियों, अंधविश्वास, नशामुक्ति एवं शोषण के विरुद्ध जनजागरण

का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी महिलाओं के अधिकारों, स्वाभिमान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके सामाजिक कार्यों के सम्मान में भारत सरकार ने वर्ष 1989 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था। अनुयायियों ने बताया कि माता के प्रति लोगों की आस्था आज भी कायम है और प्रतिवर्ष माघ मेले में हजारों अनुयायी पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। माता की पुत्री श्रीमती राम बाई उनके जीवन से जुड़ी स्मृतियों एवं सामाजिक विरासत को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। निरीक्षण के दौरान श्रीमती राम बाई एवं समिति के संरक्षक श्री त्रिभुवन सिंह टेकाम एवं अन्य अनुयायियों ने अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए कलेक्टर के समक्ष अपनी बात रखी।

धान खरीदी की तैयारियों को लेकर प्रशिक्षण आयोजित

धान खरीदी में पारदर्शिता और किसानों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता-कलेक्टर

■ कलेक्टर ने प्रारम्भिक तैयारियों की समीक्षा कर सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के दिए निर्देश

सूरजपुर संवाददाता। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी की तैयारियों को लेकर संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की उपस्थिति में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों एवं उपाजर्जन समितियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री राम सिंह ठाकुर, खाद्य अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, समिति प्रबंधक, ऑपरेटर संबंधित जन उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती जमील ने कहा कि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो। उन्होंने खरीदी शुरू होने से पहले सभी उपाजर्जन केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था, आवश्यक संसाधन एवं मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उपाजर्जन केंद्रों में सूचना पटल पर

आवश्यक जानकारीयां प्रदर्शित करने और शासन के निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन करने को कहा। जिले में इस वर्ष 60 उपाजर्जन केंद्रों में खरीदी की जायेगी जिसमें नवीन उपाजर्जन केन्द्र तिवारागुड़ी, रामतीर्थ, बड़सरा, बुंदिया, जवावल, दुलदुली शामिल है। कलेक्टर ने किसान पंजीयन की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपाजर्जन केंद्रों में मॉडस्वर मशीन, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, बायोमेट्रिक मशीन सहित अन्य उपकरणों की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्रों में बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता, किसानों के लिए समुचित व्यवस्था रखने को कहा। साथ ही टोकन जारी करने से लेकर धान की तौल तक किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने उपाजर्जन केंद्रों की मैपिंग संबंधी समस्याओं का खरीदी शुरू होने से पहले निराकरण करने तथा विकासखंड स्तर पर अधिकारी-कर्मचारियों का प्रशिक्षण समय पर पूर्ण कराने को कहा। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने धान खरीदी के साथ-साथ उपार्जित धान के समय पर उठाव एवं संग्रहण केंद्रों तक परिवहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों



में धान का अनावश्यक भंडारण न हो। इसके लिए संबंधित अधिकारी परिवहन एवं संग्रहण की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित करें, ताकि खरीदी कार्य भी प्रभावित न हो। इस दौरान उन्होंने कहा कि मौसम में बदलाव की स्थिति में धान को नुकसान न पहुंचे, इसके लिए भी पहले से आवश्यक तैयारी

रखें। कलेक्टर ने सीमावर्ती चेक पोस्ट एवं संवेदनशील उपाजर्जन केंद्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी के दौरान दलालों एवं बिचौलियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखें और अनियमितता पाए जाने पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि वास्तविक किसानों को शासन की धान खरीदी का लाभ दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। धान खरीदी प्रक्रिया में लापरवाही एवं अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान उन्होंने विगत वर्ष के धान उठाव एवं कस्टम मिलिंग की स्थिति की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने किसानों की ऋण सूची पंचायत स्तर पर चप्सा करने और मुनादी के माध्यम से इसकी जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने को कहा। ताकि सूची के संबंध में आपत्ति होने पर किसान तहसील अथवा अनुविभाग स्तर पर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय से धान खरीदी की तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने तथा किसानों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

चक्रवात के असर से बारिश की संभावना जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर-कलेक्टर...

■ कलेक्टर ने संवेदनशील स्थलों की सतत निगरानी के दिए निर्देश, नागरिकों से सतर्क रहने की अपील

बलरामपुर। मौसम विभाग के अनुसार चक्रवात के उत्तरी आंध्र प्रदेश तट पर लैंडफॉल करने की संभावना है। इसके प्रभाव से 27 अक्टूबर को सुकमा एवं दंतेवाड़ा तथा 28 और 29 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिलों में वर्षा का पूर्वानुमान है, वहीं कुछ जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। संभावित स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जिला प्रशासन को पूरी तरह सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने



राजस्व अमले और आपदा प्रबंधन टीम को हर समय अलर्ट मोड पर रहकर जलभराव एवं बाढ़ की आशंका वाले संवेदनशील स्थलों पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जनहानि रोकना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी आपात स्थिति में प्रभावितों तक तत्काल राहत पहुंचाई जाए। कलेक्टर ने जिला एवं तहसील स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय रखते हुए मौसम विभाग की चेतावनियों

पर लगातार नजर रखने को कहा है। राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, पंचायत, स्वास्थ्य और विद्युत सहित सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। निचले इलाकों तथा बाढ़ संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर राहत एवं बचाव की व्यवस्था पहले से करने और एसडीआरएफ होमगार्ड व अन्य बचाव दलों को आवश्यक उपकरणों के साथ तैयार रखने को कहा गया है। जलाशयों और बांधों के जलस्तर की नियमित निगरानी के साथ ही पानी छोड़े जाने की स्थिति में संबंधित क्षेत्रों के लोगों को समय रहते सूचना देने पर भी उन्होंने विशेष जोर दिया। कलेक्टर ने नागरिकों से अपनी, अपने परिवार और आसपास के लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है।

पटना (कोट) में 29 अक्टूबर से होगा संभाग स्तरीय करमा नृत्य प्रतियोगिता

■ विधायक भूलन सिंह मरावी संरक्षक, प्रथम पुरस्कार 15 हजार रुपये; करमा नृत्य दलों को आमंत्रण

सूरजपुर संवाददाता। विजयादशमी के पावन अवसर पर रामानुजनगर विकासखंड के ग्राम पंचायत पटना (कोट) में 29 अक्टूबर, गुरुवार से संभाग स्तरीय करमा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति पटना (कोट) के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से करमा नृत्य दल अपनी पारंपरिक वेशभूषा, साज-सज्जा और लोककला के साथ शामिल होंगे। प्रतियोगिता का आयोजन बाजार मैदान पटना (कोट) में किया जाएगा। कार्यक्रम के संरक्षक प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, जनपद पंचायत रामानुजनगर के अध्यक्ष गुलाब सिंह तथा ग्राम पंचायत पटना की सरपंच विमला सिंह मरावी हैं। आयोजन का उद्देश्य पारंपरिक करमा नृत्य, लोकगीत और जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करना तथा नई पीढ़ी को अपनी लोकपरंपराओं से जोड़ना है।

आयोजन का उद्देश्य पारंपरिक करमा नृत्य, लोकगीत और जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करना तथा नई पीढ़ी को अपनी लोकपरंपराओं से जोड़ना है।

प्रथम पुरस्कार 15 हजार रुपये

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दलों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम पुरस्कार 15 हजार रुपये, द्वितीय 11 हजार, तृतीय 9 हजार, चतुर्थ 5 हजार और पंचम पुरस्कार 3 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त सात्वना



पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता में पूजा, पोशाक, अनुशासन, नृत्यकला, साज-सज्जा, गायन-वादन, गीत पर प्रश्न और करमा से संबंधित जिज्ञासाओं के आधार पर कुल 100 अंकों का मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक दल को प्रस्तुति के लिए 20 मिनट का समय मिलेगा।

26 अक्टूबर तक करा सकेंगे पंजीयन

आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगी। सभी दलों को निर्धारित समय से कम से कम एक घंटा पहले उपस्थित होकर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। पंजीयन की अंतिम तिथि 26 अक्टूबर 2026, रात 10 बजे तक निर्धारित की गई है। प्रवेश शुल्क 251 रुपये रखा गया है। पंजीयन के लिए फ़ोन-पे नंबर 9926179559 पर विधायक प्रतिनिधि संत कुमार साहू से संपर्क किया जा सकता है। पंजीयन के समय दल के दो सदस्यों के नाम और मोबाइल नंबर देना आवश्यक होगा। प्रतियोगिता में शराब एवं अन्य मादक पदार्थों का सेवन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। प्रत्येक दल को निर्धारित क्रम में प्रस्तुति देनी होगी तथा निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। आयोजन समिति ने सभी करमा नृत्य दलों से पारंपरिक वेशभूषा और पूरे साज-सज्जा के साथ प्रतियोगिता में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

कष्ट में ही होते हैं प्रभु के दर्शन

भक्तों को सदैव कष्ट में ही प्रभु के दर्शन हुए हैं। अतः सच्चा भक्त भगवान से दुःख ही दुःख मांगता है। संकट का समय भक्त की परीक्षा काल होता है। नृसिंह भगवान के दर्शन प्रह्लाद को दुःख ही हुए थे। ध्रुव यदि अपनी सौतेली माँ से अपमानित न होते तो उन्हें प्रभु-प्राप्ति कैसे होती। अहिल्या पाषाण-मूर्ति होकर ही प्रभु-स्पर्श की अधिकारिणी बनकर प्रभु को प्राप्त कर सकी। प्रभु अपने प्रिय भक्तों के संकट देख नहीं सकते। उन्हें भक्त की आर्त पुकार सुनकर नंगे पैर दौड़कर आना ही पड़ता है। भगवान श्री कृष्ण गीता में कहा है। कि सगुणोपासक भक्तों की भगवान नन्हें शिशु की तरह रक्षा करते हैं। अतः ज्ञान पाकर भी पंडित भोक्ति नहीं छोड़ते। भक्ति मार्ग में सबसे सरल, सुगम, साधन प्रभु का नाम-स्मरण बताया गया है। पूर्ण स्खेण प्रभु के अधीन हो उनके नाम स्मरण से जीव को शाखत सुख की प्राप्ति होती है। कलियुग में भवसागर पार करने का एक माल सुगम साधन यही है। गोरवामी तुलसी दास जी ने श्री राम चरित मानस में प्रभु के नाम-स्मरण की महिमा का स्थान-स्थान पर वर्णन किया है। भगवान नाम-साधना एवं भगवान नाम स्मरण से प्राणी में अलौकिक दिव्य प्रकाश का उदय होता है। जिसकी जिका के अग्रभाग में हरि' ये दो अक्षर विराजमान रहते हैं वह विष्णुलोक को प्राप्त करता है। ऐसे मनुष्य का पुनः जन्म नहीं होता। साधक जो फल तपस्या, योगाभ्यास और समाधि द्वारा भी प्राप्त नहीं कर पाता वह फल केवल हरिनाम- कीर्तन के अत्यन्त सरल उपाय से तत्काल प्राप्त कर लेता है। कलियुग में तो हरिनाम कीर्तन की ही विशेष महिमा है।



भगवन्मय है सारा संसार

अज्ञान जनित योगलोलुपता के अहंकार ने हमारे ज्ञान को ढक लिया है और चारो ओर से इस अंधकार को और भी धन करने की भरसक कोशिश हो रही है। इस अंधकार की घनता को ही ज्ञान का प्रकाश कहा जाता है। मनुष्य की वृद्धि आज उल्टी और चमगादड़ की दृष्टि जैसी हो गई है। जैसे इन पक्षियों को दिन में अंधेरा और रात को प्रकाश नजर आता है, वैसे ही हमें आज अंधकार में ही प्रकाश का भ्रम हो रहा है। इसी से हम ' कामोपयोगपरायण होकर सैकड़ों आशा की फासियों में बंधे हुए काम-क्रोधादि साधनों से "कामयोगार्थ" अन्यायपूर्वक अर्थ प्राप्ति के उपायों में लगे रहे हैं। मोह ने हमे घेर लिया है, अभिमान ने हमें अंधा कर दिया है। लोग ने हमारी वृत्ति को विगाड़ दिया है। मद ने हमें उमत्त बना दिया है। इसी से हम आज अहंकार, बल, दर्प, काम, क्रोध का आश्रय लेकर सर्वभूतस्थित भगवान के साथ देश करने लगे हैं। इन आसुरी भावों का परिणाम नरक की यंत्रणाएं और अधम गति के सिवा और क्या हो सकता है? उपाय क्या है? उपाय है भगवदाराधन जिन लोगों को भगवान में कुछ भी विश्वास है है वे सबकी ऐसी वृद्धि होने के लिए भगवान से सरल श्रद्धायुक्त आकुविम प्रार्थना करें, उठते हुए भगवद् विखाज को अपने शुभ आचरण और सच्ची भक्ति के द्वारा फिर जमायें भगवत श्रद्धा के सूखते हुए वृक्ष की जड़ को सच्ची निर्भरता की अश्रुजल-धास से खींचे। आप्तवचनों पर श्रद्धा करें। ऋषिमुनियों को भान्त मानना छोड़ दे। जीवन को तप संयम से पूर्ण बनाकर भगवन कृपा का आश्रय ग्रहण करें। अटल विश्वास तथा परम श्रद्धा के साथ भगवान के श्रीचरणों की सेवा करें। और उनके पवित्र नाम का जाप करें। मनुष्य को सावधान होकर यह सोचना चाहिए कि यहां सभी योग-सुख अनित्य है, विजली की भांति चंचल है। शरीर कच्चे षड़े के समान अचानक जरा सी ठेस लगते ही नष्ट हो जाने वाला है। इसलिये भोगों से मन हटाकर भगवान में प्रेम करें । संसार के लिए भगवान को भी न भुलाया जाए। भगवान के लिए संसार को छोड़ना पड़े तो आपत्ति नहीं, परंतु संसार के लिए भगवान कभी न छूटें। यदि मनुष्य इस प्रकार निश्चय कर ले तो फिर संसार को छोड़ने की भी जरूरत नहीं पड़ती सारा संसार भावन्मय ही तो है।

आज भोगों के लिए तप होते है

हमारा पूरा जीवन ही भौतिकवादी हो गया है। ब्राह्म वस्तुओं के लिए, इन्द्रिय भागों के लिए वह विक गया है। मांस के टुकड़ों के लिए चील-कौओं की भांति लड़ाई होने लगी है। किसी जमाने में परमात्मा प्राप्ति के लिए तप किए जाते थे लेकिन आज भोगों की प्राप्ति के होते हैं। कभी भगवान के प्रति आत्म समर्पण होता था, आज भोगों की प्रतिमा पूजी जाती है। कभी देहरातबोहा छोड़कर ब्रह्मात्मबोध किया जाता था अब ब्रह्माबोध की जरूरत नहीं समझी जाकर उस रास्ते के पथिकों को भी देहात्मबोध की शिक्षा दी जाती है। बड़े-बड़े मनीषी तपस्वी संयसी पुस्त्र भी आज भोगों की प्राप्ति करने-कराने के लिए जीवन की और धर्म की बाजी लगाये बैठे हैं। एवं इसी को धर्म समझा जा रहा है। पर योगपरायणता-इन्द्रिय सुख परता का परिणाम क्या होता है। मनुष्यों में राक्षसी भावों का उदय, हेप-हिंसा प्रविर्हिंसा का प्राबल्य, घोर अशांति और सुख के नाम पर दुःख पूर्ण जीवन यापन इसका प्रत्यक्ष प्रमाण भोग सुख और भौतिक सत्ता सामर्थ्य से सम्पन्न समुन्नत कहने वाले देशों की भी बुरी दशा है। परंतु इस दशा को देखना होगा ईश्वरामिमुखी ज्ञान सम्पन्न तपि-नेगों पर जाले तो छा ही गये है। चाहे वह बुरी-से बुरी हों ऐसा जादू छाया है कि उसने हृदय को ही पराया बना दिया। इसी के परिणाम-स्वस्स आज हम वहां के अनाचार में सदचार पाप में पुन्य, स्वार्थन्धता में देशभक्ति, अवर्नति में उन्नति अधर्म में धर्म और पतन में उत्थान का विपरीत हृदय देख रहे हैं। और बस और उसी के प्रवर्तन की अन्धचेष्टा में तत्पर हैं।

प्रभु सर्वान्तर्यामी है

हृदय में परमात्मा का अनुभव हो जाने पर कण कण में वही नजर आता है यही सच्चा अनुभव है परमात्मा सम्पूर्ण दिव्य गुणों से युक्त होते हुए भी सम्पूर्ण गुणों से परे हैं निलिप्त हैं, इसलिए उन्हें निर्गुण कहा गया है बुद्धिप्रधान व्यक्ति ज्ञानमार्ग का आश्रय लेकर परमात्मा को निर्गुण मानता है परन्तु हृदयप्रधान भावुक भक्त परमात्मा को सगुण मानता है। निराधार नाम, रूप, गुण के अभाव में प्रभु तारतम्य कैसे हो सकता है ? प्रेमाभक्ति के द्वारा जीव भगवान से जुड़ जाता है भक्ति का अर्थ भगवान से योग बताया गया है। सम्पूर्ण जगत व्याप्त परमात्मा की सत्ता का ज्ञान तथा आनन्द हमारे संबंध को जगत से विभक्त करके भगवान के साथ संबंध कराते है यही भक्ति है। प्रेमपूर्वक भजन करना भक्ति है ऐसी स्थिति में भगवान के अलावा समस्त सांसारिक बंधन उसके लिए गौण हो जाता है। संसार में यदि भक्त का किसी और से कहीं भी संबंध है तो वह केवल भगवान के नाते ही है। भगवान के साथ सेवा प्रेम एवं विश्वास का संबंध जोड़ लेना ही भक्ति योग है। योग अर्थात हुडे रहना, अनवरत प्रयत्नशील रहना। चेतना अथवा अचेतावस्था प्रत्येक समय स्थायीस्व से भक्ति भावना का बने रहना शुद्ध भक्ति है। जैसे परिवार के सदस्यों के प्रति सोते, जागते, उठते, बैठते एक स्थायी प्रेम सदा बना रहता है। पुत्र पास हो या दूर, उसका प्रेम तो उतना ही रहता है। वह प्रेम विस्मृति से नष्ट नहीं होता। यह रागात्मक संसार है। भक्ति भी ऐसी ही होनी चाहिए। ऐसी भक्ति रखने वाले भक्त के पीछे स्वयं भगवान चक्कर लगाते हैं।निर्बल साधक के लिए शरणगत होकर प्रभु का स्मरण करना ही एकमात्र अवलम्बन रहता है जिस प्रकार मछली जल के लिए तड़पती है जैसे पुत्रशोक के विह्वल होकर माता पिता आकुल व्याकुल होते हैं उसी प्रकार सच्चा साधक प्रभु के लिए मन ही मन तड़पता रहता है। उसके लिए सुख दुख समान हो जाते हैं। वह सब कुछ कृष्णार्पण कर केवल भक्ति मांगता है उसे विश्वास रहता है कि प्रभु सर्वान्तर्यामी है वे जो कुछ करेंगे उसके हित में ही करेंगे।

मनुष्य सुख प्राप्ति के यत्न में उलझा

जिस और मन की गति होती है। उसी ओर प्राणशक्ति का प्रवाह होता है। यदि आप चुपचाप बैठे हुए अपने-आप में कुछ बाहर संसार की सोच रहे है। तो ऐसी सोच करने की अवस्था में आपका प्राण भी अपने ही प्रकार से कुछ घुटा-घुटा सा चलता है। परंतु जब आप चिंता रहित की अवस्था में बैठे है तो उस समय आपका प्राण भी बड़े आराम से चलता है। कारण कि मन बाहर की उलझन से रहित होकर किसी प्रकार की भी सोच न करता हुआ अपने आप में अंदर रहता है। जिस-जिस प्रकार से मनुष्य के अंदर भय,शोक, राग, द्वेष आदि का कोई ज्ञान होता है। तो उसी ज्ञान के दृग से उसके अंदर उसकी प्राण शक्ति अर्थाति देह का काम चलाने वाली क्रियाशक्ति करती है। यदि आपका ज्ञान बाहर के प्राणी तथा पदार्थों में भटका हुआ है। तो समझों उसके साथ आपका ध्वास भी बाहर ही भटक रहा है। जब प्राण बाहर के ज्ञान के साथ, भटका हुआ है तो उसकी शक्ति भी बाहर ही भटकी हुई रहेगी। वह अपने अंदर एकत्रित नहीं हों पायेगी। यदि मन बाहर संसार से बिना किसी निमित्त के मुक्ति पा जाय तो उसका बाहर से मुक्त प्राण भी देह के अंदर एकत्रित होगा और उस प्राण शक्ति का अपने अंदर ही इकठा होने का सुख होगा, जैसा कि निंदा में होता है। परंतु बच्चे को तो बचपन से ही बाहर से प्राणी तथा पदार्थों के सहारे ही सुख लेने की आदत पड़ी हुई है। और इन तुच्छ सुखों के माप तथा अंतिम परिणाम के बारे में उसका कुछ भी ज्ञान नहीं है। यदि यह ज्ञान कोई मनुष्य अपने अंदर जगा ले कि बाहर के प्राणियों एवं पदार्थों से मिलने वाले सुख थोड़ा देर रहने वाले है। और उन्त में ये सुख-दुःखों में ही समाप्त होते है। तो इस प्रकार का अर्नर्ज्ञान होने का नाम ही विवेक या सत्य का ज्ञान है। यदि इस ज्ञान से उसकी बाहर से मुक्ति हो जाय अर्थाति मन संसार में कहीं भी बंधा न रहे तो उसकी प्राणशक्ति भी अपने आप अंदर सुख भी प्रकट करेगी। परंतु मनुष्य बाहर संसार में ही उलझा-उलझा कर्म करता हुआ सुख प्राप्त करने का यत्न करता रहता है।

कर्म अपनी छाप छोड़ता है

मनुष्य बाह्य संसार में जो कुछ भी कर्म जैसे रिश्ते-नाते जोड़ना तथा कई प्रकार के पदार्थों के साथ ही उनको प्राप्त करने के लिए संबंध जोड़ना इत्यादि करता है या अभी तक उसने किया है, वे सब कर्म वही पर करने के साथ समाप्त नहीं जो जाते अर्थात प्रत्येक किया गया कर्म अपनी एक छाप अंदर छोड़ जाता है। अब उन सब किये गये कर्मों ने आपके अंदर एक ऐसी शक्ति खड़ी कर दी है। जिसको प्रकृति से बांधने वाला एक रस्सा भी कहते है। इस प्रकृति शक्ति के कारण बाहर का भटकना मनुष्य को अंदर ही अंदर आत्मा का सुख पाने के लिए खोखला कर देता है अर्थात असमर्थ बना देता है और उसकी अपना आपा कुछ खोया-खोया सा अनुभव में संसार में नहीं है। इस अवस्था में उस बाह्य संसार में अधिक भटक हुए मनुष्य को कोई सुख का अनुभव नहीं होता है, यही उसके अंदर दुख है। इस दुख से बचने के लिए वह फिर संसार में प्राणी तथा पदार्थों से ही संबंध जोड़ता है। ताकि दुख के स्थान पर वही पुरानी आदतों का कुछ सुख तो मिले। संसार के जिन प्राणियों एवं पदार्थों के संबंध में थोड़ा सुख मिला है मन केवल उन्ही की स्मृतियां अपने अंदर लिये बैठा है। और वह थोड़ा सा कभी मिला हुआ सुख उसके मन से अब उतरता ही नहीं है अर्थात मन के अंदर वह पुनः सुख लेने की लालच चिपकी हुई है जो कि बाह्य संसार में उसको बांधे हुए है। सुख को आप छोड़ दे तो उधर संसार का चिंतन ही समाप्त हो जाय और मन अपने आप में लौटना शुरूकर देगा। परंतु आलस्य, सुस्ती के कारण अविद्या में पड़ने के बाद प्रकृति तो उन्ही पुराने सुखों के संस्कार ही जगायेगी। जो अपने अंदर लिये बैठी है और बाहर संसार के प्राणी एवं पदार्थों की सोच करने के लिए प्रेरित करेगी।

महापौर अलका बाघमार की अध्यक्षता में एमआईसी की महत्वपूर्ण बैठक, शहर विकास के विभिन्न प्रस्तावों पर लगी मुहर

प्रमुख सड़कों पर पोल और प्रकाश व्यवस्था के लिए 1.95 करोड़ रुपये का प्रस्ताव शासन को भेजने पर चर्चा

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थापना एवं सौंदर्यीकरण सहित सड़क-नाला निर्माण के प्रस्तावों पर एमआईसी में हुआ विचार-विमर्श,

दुर्ग/ नगर पालिक निगम, दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त लीना कोसम की उपस्थिति में गुरुवार को दोपहर 3 बजे डाय सेंटर में मेयर इन कार्डसल (एमआईसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर के विकास, निर्माण कार्यों, सड़क एवं नाला निर्माण, प्रकाश व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थापना एवं सौंदर्यीकरण सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विभागवार विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय एवं स्वीकृति की कार्यवाही की गई। बैठक में महापौर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा मंगाई गई



सात बिंदुओं की जानकारी संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रस्तुत की। महापौर ने विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति एवं प्रस्तावों की जानकारी लेते हुए शहर में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया। प्रमुख सड़कों पर पोल एवं प्रकाश व्यवस्था के लिए 1.95 करोड़ रुपये का प्रस्ताव,बैठक में विद्युत विभाग द्वारा निगम क्षेत्र की प्रमुख सड़कों पर पोल एवं प्रकाश व्यवस्था स्थापित करने के लिए 15वें वित्त आयोग मद के अंतर्गत 1 करोड़ 95 लाख 84 हजार 720 रुपये का प्राकलन प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्य के लिए

आवश्यक प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त करने हेतु शासन को प्रस्ताव प्रेषित करने के विषय पर चर्चा की गई।
-डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थापना एवं सौंदर्यीकरण कार्य- उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री की घोषणा के परिपालन में संचालनालय द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थापना एवं सौंदर्यीकरण कार्य के लिए अघोसंरचना मद से 50 लाख रुपये की प्राविधिक स्वीकृति प्रदान की गई है। बैठक में इस कार्य के स्थल परिवर्तन के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। प्रस्ताव के अनुसार वार्ड क्रमांक 18

गौ रक्षा के लिए आगे आया भिलाई नगर निगम, दो दिन से नाली में फंसे बैल को जेसीबी से निकाला

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा गौ रक्षा एवं बेजुबान पशुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मानवीय संवेदनशीलता के साथ सराहनीय पहल की गई। निगम क्षेत्र के जौन क्रमांक-03 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 35 में पिछले दो दिनों से एक बैल नाली में फंसा हुआ था। इसकी जानकारी मिलने पर बैल को बाहर निकालने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। नाली में लंबे समय से फंसे होने के कारण बैल को बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण हो गया था। स्थिति को देखते हुए नगर निगम की टीम ने जेसीबी मशीन की सहायता से नाली के हिस्से को तोड़कर रास्ता बनाया और बैल को बाहर निकालने की कार्रवाई की। इस दौरान प्राथमिकता बेजुबान पशु को सुरक्षित बाहर निकालने तथा उसे



किसी प्रकार की गंभीर चोट से बचाने की रही। नगर निगम की इस कार्रवाई से गौ रक्षा और पशु सुरक्षा के प्रति प्रशासन की संवेदनशीलता सामने आई है। बेजुबान पशु अपनी परेशानी स्वयं व्यक्त नहीं कर सकते,

ऐसे में समय पर उनकी सहायता करना समाज और प्रशासन दोनों की जिम्मेदारी है। निगम की टीम द्वारा नाली तोड़कर बैल को बाहर निकालने के लिए की गई पहल इसी मानवीय दायित्व को दर्शाती है।

दर्जनभर से ज्यादा जारी नोटिस का नहीं हुआ असर, निगम ने हटाया अतिक्रमण

रिसाली। वार्ड 13 स्थित मुख्य उईई मार्ग पर पिछले 15 वर्षों से अवैध रूप से दुकान बनाकर व्यवसाय करने वाले को नगर पालिक निगम रिसाली ने खदेड़ दिया। शुक्रवार को निगम के राजस्व विभाग ने मौके पर पहुंच कर बेदखली अभियान चलाया। अभियान के दौरान शुरूआत में विरोध का सामना अवश्य करना पड़ा। बाद में नेवेई पुलिस की मध्यस्थता में तीन दुकानों को खाली कराने के बाद निगम के अधिकारियों ने दुकान को ढहा दिया। इस कार्यवाही से 15 साल से बंद आम रास्ता अब शुरू होगा। इस कार्यवाही से पहले निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने एक साल पूर्व अतिक्रमण कर व्यापार करने वाले व्यापारियों को स्वतः दुकान हटाने निर्देश दिए थे। कई बार



कार्यालय बुलाकर व्यापारियों को समझाइश भी दी। इसके बाद भी चिकन कार्नर, सेलून संचालक व इलेक्ट्रिक दुकान के संचालक हठधर्मिता पर अड़े रहे। आयुक्त के निर्देश पर राजस्व विभाग प्रभारी

धर्मेन्द्र मिश्रा दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पहले दुकान से सामान बाहर निकालने मौका दिया। इसके बाद तीनों दुकान को हटया। दर्जनभर से ज्यादा नोटिस-वार्ड 13 टंकी मरोदा के पार्श्व विधि यादव व

नागरिकों ने पिछले दो वर्षों से अवरूढ़ मार्ग को शुरू करने आयुक्त के समक्ष ज्ञापन सौंपा था। इसके बाद से निगम प्रशासन अवरूढ़ मार्ग को शुरू कराने की पहले शुरू की थी। लगभग दर्जनभर से ज्यादा नोटिस भी व्यापारियों को दिया गया था। इसके बाद भी व्यापारी बेधड़क दुकान संचालित कर रहे थे।

जल्द बनेगा सीसी रोड-मैत्री गार्डन चौक से सीधे वार्ड 13 जाने नहर किनारे से आम रास्ता बना हुआ है। निगम इस मार्ग पर सीमेंटीकरण कार्य कराया है। अतिक्रमण की वजह से मार्ग अवरूढ़ था और लगभग 50 मीटर सीमेंटीकरण कार्य पूर्ण करना बचा था। अतिक्रमण हटने से क्षेत्र के नागरिकों को कम दूरी तय कर वे सीधे मैत्री गार्डन चौक पहुंच सकते हैं।

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में जन सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुराने एवं जर्जर भवनों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज निगम के जौन-03 क्षेत्र अंतर्गत पुराने एवं जर्जर भवन की जांच कर जेसीबी मशीन के माध्यम से उसे ध्वस्त किया गया। निगम की इस कार्रवाई का उद्देश्य जर्जर भवनों से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोकना तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। शहर में कई पुराने भवन समय के साथ कमजोर एवं जर्जर स्थिति में पहुंच जाते हैं। ऐसे भवनों से किसी भी समय दीवार, छत या अन्य हिस्से गिरने का खतरा बना रहता है। विशेषकर बारिश एवं खराब मौसम

नेहरू नगर में जर्जर भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई, जनसुरक्षा के मद्देनजर निगम की पहल

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जर्जर भवनों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जौन क्रमांक-1 नेहरू नगर क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक-2 में ईएसआईसी अस्पताल के पास स्थित जर्जर भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई राजस्व विभाग की टीम द्वारा की गई। जर्जर भवनों के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसे भवनों का ध्वस्तीकरण आम नागरिकों की सुरक्षा की दृष्टि से



महत्वपूर्ण है। नगर निगम द्वारा क्षेत्र में सुरक्षा एवं सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि अपने आसपास स्थित

जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों की जानकारी निगम प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के 8 पदों पर कौशल परीक्षा के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी

दुर्ग/ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत 18 पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन मंगाया गया था। उक्त विज्ञापित पदों में से 10 पदों हेतु साइकोलॉजिस्ट क्लिनिकल (एनएमएचपी), प्रोग्राम एसोसिएट एनटीईपी, सोशल वर्कर - एनएमएचपी, डेंटल असिस्टेंट (एनओएचपी,एनयूएचएम), एमपीडब्ल्यू (पुरुष) - यूएएएम, ऑथेलिमिक असिस्टेंट एनयूएचएम, सिक्सरिटी गार्ड (आईसीयू), अकाडेंट (एनयूएचएम),फार्मासिस्ट (एनयूएचएम) और लैब सपरवाइजर (एनटीईपी) के अंतिम तिथि तक प्राप्त आवेदनों का दावा निगरकण उपांत दावा आपात निरकण सूची एवं अंतिम पात्र-अपात्र सूची बनाई गई है जिसे दुर्ग जिले के विभागीय वेबसाईट www.durg.gov.in पद में अपलोड किया गया है। दावा आपात निरकण उपांत उक्त विज्ञापित पदों में से 08 पदों साइकोलॉजिस्ट क्लिनिकल (एनएमएचपी), प्रोग्राम एसोसिएट एनटीईपी, सोशल वर्कर एनएमएचपी, डेंटल असिस्टेंट (एनओएचपी,एनयूएचएम), एमपीडब्ल्यू (पुरुष) - यूएएएम, ऑथेलिमिक असिस्टेंट - एनयूएचएम, फार्मासिस्ट (एनयूएचएम) और लैब सपरवाइजर (एनटीईपी) पर पात्र अभ्यर्थियों की मेरिट अनुसार 1:5 एवं 1:10 के आधार पर कौशल परीक्षा हेतु सूची तैयार की गई है।

लोक निर्माण विभाग, दुर्ग संभाग द्वारा कराया जा रहा निर्माण कार्य दुर्ग जिले में 5.89 करोड़ से बनेंगे 6 नए स्कूल भवन विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं देने की दिशा में बड़ा कदम

दुर्ग/ जिले में स्कूल शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों को सुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करने की दिशा में लोक निर्माण विभाग द्वारा लगातार अघोसंरचना विकास के कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में लोक निर्माण विभाग, दुर्ग संभाग दुर्ग द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 6 नवीन हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल भवनों के निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। इन कार्यों के लिए शासन द्वारा कुल 589.17 लाख रूपए अर्थात लगभग 5.89 करोड़ रूपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। पाटन, धमघा, दुर्ग और भिलाई क्षेत्र के इन भवनों को नवंबर-दिसंबर 2026



तक पूर्ण करने का लक्ष्य है, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों को इनका लाभ मिल सके। इनमें विकासखंड पाटन एवं धमघा सहित दुर्ग एवं भिलाई क्षेत्र के शासकीय स्कूल भवन शामिल हैं। लोक निर्माण विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार स्वीकृत कार्यों में पाटन विकासखंड के तेलीगुंडा में हायर सेकेंडरी स्कूल भवन, धमघा विकासखंड के खिलोरकला और देवरी में हायर

सेकेंडरी स्कूल भवन शामिल हैं। वहीं दुर्ग विकासखंड के पुलगांव और कैप-02 भिलाई में शासकीय हाईस्कूल भवन तथा धमघा विकासखंड के मलपुरीकला में हाईस्कूल भवन का निर्माण कराया जाएगा। तेलीगुंडा, खिलोरकला और देवरी में बनने वाले हायर सेकेंडरी स्कूल भवनों के लिए प्रत्येक भवन हेतु 121.16 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इस प्रकार तीनों

भवनों के निर्माण पर कुल 363.48 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसी प्रकार पुलगांव, मलपुरीकला और कैप-02 भिलाई में बनने वाले हाईस्कूल भवनों के लिए प्रत्येक भवन हेतु 75.23 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। तीनों भवनों पर कुल 225.69 लाख रुपये खर्च होंगे।

हायर सेकेंडरी स्कूलों में 9 क्लासरूम और दो प्रयोगशालाएं- निर्माणधीन हायर सेकेंडरी स्कूल भवनों में 9 क्लासरूम, भौतिक शास्त्र और रसायन शास्त्र के लिए प्रत्येक प्रयोगशालाएं, प्राचार्य एवं स्टाफ के लिए कार्यालय तथा आवश्यक शौचालय भी बनाए जाएंगे। इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ कला, कंप्यूटर एवं प्रयोगात्मक गतिविधियों के लिए सुविधाएं मिलेंगी। नवीन स्कूल भवनों से विद्यार्थियों को मिलेगा बेहतर एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण- इन भवनों के निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण मिलेगा।

प्रयोगात्मक अध्ययन के लिए भी उपयुक्त स्थान उपलब्ध होगा। हाईस्कूलों में आर्ट और कंप्यूटर रूम की सुविधा-नवीन हाईस्कूल भवनों में 4 क्लासरूम, आर्ट रूम, कंप्यूटर रूम और लैब रूम का प्रावधान है। साथ ही प्राचार्य एवं स्टाफ के लिए कार्यालय तथा आवश्यक शौचालय भी बनाए जाएंगे। इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ कला, कंप्यूटर एवं प्रयोगात्मक गतिविधियों के लिए सुविधाएं मिलेंगी। नवीन स्कूल भवनों से विद्यार्थियों को मिलेगा बेहतर एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण- इन भवनों के निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण मिलेगा।

जन सुरक्षा को लेकर निगम भिलाई सख्त, जर्जर भवनों पर लगातार हो रही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई



के दौरान इनसे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा ऐसे भवनों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पुराने एवं जर्जर भवनों की स्थिति का निरीक्षण कर जर्जरित में आवश्यक

कदम उठाए जा रहे हैं। जौन-03 में की गई कार्रवाई इसी अभियान का हिस्सा है। निगम द्वारा जर्जर भवनों की जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त कर संभावित खतरे को दूर करने की दिशा में कार्रवाई की गई। नगर निगम की इस पहल से जन सुरक्षा के प्रति प्रशासन की गंभीरता सामने आती है।

जर्जर भवनों को समय रहते हटाना आवश्यक है, ताकि किसी अप्रिय घटना या जन-धन की हानि की आशंका को कम किया जा सके। निगम द्वारा आवश्यकता के अनुसार ऐसे भवनों की जांच एवं कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी रखा जा रहा है। नगर निगम भिलाई का प्रयास है कि शहरवासियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए और संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएं। जर्जर भवनों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई इसी उद्देश्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

26.60 किमी मार्ग का होगा उद्घाटन, ₹24.06 करोड़ की लागत से डमरीकरण व पुल-पुलिया सहित होने विकास कार्य

कुहारी-अहिंवारा-पथरिया मार्ग के सुदृढीकरण से क्षेत्र को मिलेगी नई रफ्तार

दुर्ग/ दुर्ग जिले के महत्वपूर्ण कुहारी-अहिंवारा-पथरिया मार्ग (राज्य मार्ग क्रमांक-21) के सुदृढीकरण एवं उन्नयन का कार्य क्षेत्रीय आवागमन को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 26.60 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के उन्नयन से सड़क की स्थिति बेहतर होने के साथ क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। लोक निर्माण विभाग द्वारा मार्ग को सुदृढीकरण, सुगम और टिकाऊ बनाने के लिए डमरीकरण सहित आवश्यक संरचनात्मक कार्य कराए जाएंगे। भौगोलिक संदर्भ की दृष्टि से यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश को जोड़ने के साथ क्षेत्र के प्रमुख मार्गों एवं महत्वपूर्ण आवागमन केंद्रों के लिए संपर्क मार्ग के रूप में उपयोगी है। मध्यप्रदेश के कान्हा-किसली राष्ट्रीय उद्यान की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए भी यह मार्ग महत्वपूर्ण संपर्क प्रदान करता है। इसके अलावा दुर्ग जिले के ग्रामीण अंचलों एवं अहिंवारा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से राजधानी रायपुर की ओर आवागमन में इस मार्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है। क्षेत्रीय विकास को मिलेगी गति-मार्ग के सुदृढीकरण से किसानों,



व्यापारियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और दैनिक यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। बेहतर सड़क से यात्रा अधिक सुगम एवं सुरक्षित होगी तथा समय और परिवहन लागत में कमी आएगी। कृषि उपज एवं अन्य सामग्री के परिवहन को भी गति मिलेगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापारिक एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है। 26.60 किमी सड़क का होगा

सुदृढीकरण-परियोजना के तहत कुल 26.60 किमी मार्ग का सुदृढीकरण एवं उन्नयन किया जाएगा। सड़क पर 60 मिलीमीटर डीबीएम तथा 40 मिलीमीटर बीसी की डमरीकरण परत का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 2 मीटर साइड शोल्डर का निर्माण प्रस्तावित है। इन कार्यों से सड़क की मजबूती, टिकाऊपन और जल निकासी व्यवस्था में सुधार होगा।

कुल लागत और प्रशासनिक स्वीकृति-इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए ₹24 करोड़ 6 लाख 23 हजार की प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। प्रशासनिक स्वीकृति 24 नवंबर 2025 को जारी हुई थी, जबकि कार्यदिश 8 सितंबर 2026 को जारी किया गया है। कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जा रहा है।

परियोजना से मिलेगा बड़आयामी लाभ-किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और दैनिक यात्रियों को आवागमन में सुविधा। यात्रा अधिक सुगम और सुरक्षित होगी। समय और परिवहन लागत में कमी आएगी। कृषि उपज एवं अन्य सामग्री के परिवहन को गति मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापारिक एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। मार्ग के उन्नयन से ग्रामीण संपर्क व्यवस्था मजबूत होने के साथ क्षेत्रीय आवागमन को नई गति मिलेगी, जिससे स्थानीय व्यापार, कृषि गतिविधियों और आवश्यक सेवाओं तक लोगों की पहुंच आसान होगी तथा क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है।

चंद्रा-मौर्या अंडरब्रिज में सुरक्षा की दृष्टि से 24 एवं 25 अक्टूबर को आवागमन रहेगा बाधित

भिलाई। पालिक निगम, भिलाई द्वारा आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि चंद्रा-मौर्या अंडरब्रिज में ड्रेन की जाली अचानक बाहर निकल जाने के कारण आवागमन करने वाले वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका उत्पन्न हो गई है। उक्त स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए आम नागरिकों एवं वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चंद्रा-मौर्या अंडरब्रिज में तत्काल प्रभाव से

आवागमन बंद किया जाना आवश्यक हो गया है।अतः दिनांक 24 अक्टूबर 2026 से 25 अक्टूबर 2026 तक चंद्रा-मौर्या अंडरब्रिज में आवागमन बाधित रहेगा। इस अवधि में ड्रेन की जाली से संबंधित आवश्यक सुधार एवं संधारण कार्य कराया जाएगा, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके तथा आवागमन सुरक्षित बनाया जा सके। उक्त अवधि में चंद्रा-मौर्या

अंडरब्रिज से आवागमन करने वाले समस्त नागरिकों एवं वाहन चालकों से अनुरोध है कि वे असुविधा से बचने हेतु वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें तथा यातायात पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं मार्ग परिवर्तन संबंधी व्यवस्था का पालन करें। नगर पालिक निगम, भिलाई द्वारा आम नागरिकों से अपील की जाती है कि वे जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उक्त अवधि में सहयोग प्रदान करें।

सेवा फर्ट इनोवेशन चौलेंज 2026: आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 30 अक्टूबर 2026 तक भेज सकेंगे अपना नवाचार

दुर्ग/ सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित सेवा फर्ट इनोवेशन चौलेंज 2026 में आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। पूर्व में आवेदन 17 अक्टूबर 2026 तक किए जाने थे, जिसे अब बढ़ाकर 30 अक्टूबर 2026' कर दिया गया है। जो विद्यार्थी, युवा, स्टार्टअप, स्व-सहायता समूह और नवाचारी अब तक आवेदन नहीं कर पाए हैं, उनके लिए यह एक और अवसर है। चौलेंज का उद्देश्य अपने आसपास की चुनौतियों को पहचानकर उनके लिए नए और व्यावहारिक नवाचारी समाधान सामने लाना है। इसमें विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, पॉलिटेक्निक एवं आईटीआई के विद्यार्थी, शोधार्थी, प्राध्यापक, स्टार्टअप, सूक्ष्म-लघु-मध्यम उद्यम, कंपनियों, स्व-सहायता समूह, स्वयंसेवी संस्थाएँ तथा स्वतंत्र नवाचारी व्यक्तिगत रूप से या टीम बनाकर भाग ले सकते हैं। आवेदक अथवा टीम के किसी एक सदस्य के पास छत्तीसगढ़ का मूल निवास प्रमाण-पत्र होना अनिवार्य है। कंपनी पंजीयन आवश्यक नहीं है, और केवल विचार के स्तर पर भी आवेदन किया जा सकता है। प्रत्येक विजेता को 10 लाख रूपए की राशि दी जाएगी। प्रत्येक क्षेत्र (सेक्टर) में पाँच विजेता होंगे: तीन सामान्य, एक महिला तथा एक 21 वर्ष से कम आयु श्रेणी से।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त दिवातों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahnrineews@gmail.com

